रांची, शनिवार, 17 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 127 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

सलमान के जिगरी यार को डेट कर रहीं माही ◂◂ 6

सोमा मुंडा हत्याकांड को लेकर आज झारखंड बंद

खूंटी-सरायकेला में जनजीवन रहा ठप, रांची में आंशिक असर

- सड़को पर उतरे लोग,टायर जलाकर सड़क किया जाम
- खूंटी और सरायकेला में वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप , अधिकांश दुकानें रही बंद

संवाददाता

रांची/खूंटी: खूंटी के पड़हा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड के विरोध में बुलाए गये झारखंड बंद का खूंटी और सरायकेला जिलों में व्यापक असर देखने को मिला रहा है। वहीं, राजधानी रांची में बंद का असर सीमित है। खूंटी और सरायकेला में वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप है। अधिकांश दुकानें बंद पड़ी हैं। सरायकेला जिले के कुचाई में आदिवासी संगठनों के सदस्य शनिवार सुबह से ही सड़कों पर उतर आए। मुख्य बाजार बंद करा दिया। इसके बाद कुचाई चौक पर टायर जलाकर आवागमन रोक दिया गया। हालांकि बंद के दौरान स्कूल, अस्पताल, दवा दुकान समेत अन्य आवश्यक सेवाओं को इससे मुक्त रखा गया।

मुख्य साजिशकर्ता को अविलंब गिरफ्तार करें : मंगल सिंह मुंडा

आदिवासी एकता मंच, कुचाई के अध्यक्ष मंगल सिंह मुंडा ने कहा कि पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या से आदिवासी समाज के सामाजिक व्यवस्था को गहरा आघात पहुंचा है। वे जल जंगल जमीन और आदिवासी समाज के लिए जीवन भर संघर्ष करने वाले शख्स थे। हत्याकांड के इतने दिनों बाद भी अभी तक हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उन्होंने जल्द से जल्द घटना के मुख्य साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार करने की मांग की है।

बंद कराने वालों में आदिवासी एकता मंच, कुचाई के अध्यक्ष मंगल सिंह मुंडा, जिला परिषद सदस्य जींगी हेंब्रम, मान सिंह मुंडा, लखीराम मुंडा, बनवारी लाल सोय, रामचंद्र सोय, गोलाराम लोवादा, लुबुराम सोय, रामकृष्ण मुंडारी, हरिश चंद्र बानरा, केपी सेठ सोय, सुरेश

बंद का रांची में दिखा असर, अल्बर्ट एक्का व करमटोली चौक पर प्रदर्शन

रांची : खूंटी के पहड़ा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में आज आदिवासी समुदायों ने झारखंड बंद का आह्वान किया है। बंद का असर राजधानी रांची में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। अल्बर्ट एक्का चौक, करमटोली चौक सहित शहर के कई प्रमुख इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलु मुंडा के नेतृत्व में विभिन्न आदिवासी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और हत्यारों को फांसी देने व पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह हत्या आदिवासी समाज के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। दुकानें बंद, यातायात बाधित : झारखंड बंद के चलते अल्बर्ट एक्का चौक और आसपास के इलाकों में लगभग सभी दुकानें बंद रहीं। जो दुकानें खुली थीं, उन्हें भी प्रदर्शनकारियों ने बंद करा दिया। प्रदर्शनकारियों ने अल्बर्ट एक्का चौक के पास रस्सी लगाकर सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जिससे मेन रोड से आने वाले वाहनों को प्लाजा रोड की ओर डायवर्ट करना पड़ा. वहीं करमटोली चौक पर प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और सड़क पर बैठकर आवागमन पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोमा मुंडा की हत्या के मामले में पुलिस अब तक मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान मौके पर आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष विवेक तिर्की, सुरेंद्र लिंडा, कुमुद कुमार वर्मा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पुलिस-प्रशासन अलर्ट : झारखंड बंद को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। राजधानी के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है. बंद के कारण सार्वजनिक परिवहन प्रभावित हुआ है, जिससे रांचीवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बीएमसी चुनाव: हार के बाद ठाकरे बंधुओं की आई प्रतिक्रिया मनसे प्रमुख बोले-

महाराष्ट्र-मराठी पहचान के लिए जारी रहेगा संघर्ष

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव के बाद मराठी समाज और मराठी पहचान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव में उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिले, उनका संघर्ष मराठी भाषा, मराठी लोगों और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए हमेशा जारी रहेगा।

राज ठाकरे ने अपने संदेश में कहा सबसे पहले, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना के सभी निर्वाचित पार्षदों को हार्दिक बधाई। यह चुनाव आसान नहीं था। यह पैसों और सत्ता की ताकत के खिलाफ शिवशक्ति की जंग थी। फिर भी, हमारे कार्यकताओं ने बेहतरीन संघर्ष किया। उनका यह योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

मराठी भाषा और पहचान के लिए हमारा संघर्ष जारी: उन्होंने मनसे की कमी को स्वीकार किया, लेकिन जोर देते हुए कहा कि चुनाव हारने का मतलब यह नहीं कि हिम्मत हार जाए। निर्वाचित पार्षद मराठी लोगों के हितों की रक्षा करेंगे और अगर मराठी समाज के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तो उन्हें जवाब देंगे। राज ठाकरे ने आगे कहा हमारा संघर्ष मराठी लोगों, मराठी भाषा, मराठी पहचान और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए है। यह संघर्ष ही हमारी असल पहचान है। जो भी गलत हुआ, जो अधूरा रह गया, उसे मिलकर हम सुधारेंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में सत्ता में बैठे लोग और उनके समर्थक हमेशा मराठी लोगों को कमजोर करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में टठर और मराठी लोग एकजुट रहेंगे। उन्होंने संगठन और पार्टी को फिर से मजबूत करने का आह्वान किया। राज ठाकरे ने संदेश समाप्त करते हुए कहा चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन हमारा हर सांस मराठी के लिए है। चलिए फिर से काम शुरू करें और पार्टी को नई दिशा में ले जाएं।

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई: शिवसेना (यूबीटी)

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने बीएमसी चुनावों में हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने साफ संदेश दिया कि महाराष्ट्र में राजनीतिक लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और यह तब तक जारी रहेगी जब तक मराठी समाज को उसका हक, अधिकार और सम्मान नहीं मिलता। शिवसेना (यूबीटी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा 'यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।।। यह तब तक चलती रहेगी जब तक मराठी व्यक्ति को उसका उचित सम्मान नहीं मिलता।

सिंगर बी प्राक को लॉरेंस गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

10 करोड़ दो, नहीं तो मिट्टी में मिला देंगे

एजेंसी

नई दिल्ली : मशहूर बॉलीवुड सिंगर बी प्राक को बिश्नोई गैंग ने जान से मारने की धमकी दी। बिश्नोई गैंग ने बी प्राक से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। गैंग ने सिंगर बी प्राक के साथी दिलनूर को कॉल करके 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी। गैंग ने एक हफ्ते में पैसे देने के लिए कहा है। इस मामले में मोहाली में शिकायत दर्ज कराई गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मांगने वाले कॉलर ने खुद का नाम आरज़ू बिश्नोई बताया है। बी प्राक को दी गई धमकी में कहा गया है कि 10 करोड़ रुपए दो, नहीं तो मिट्टी में मिला देंगे। पंजाबी सिंगर

दिलनूर ने धमकी भरा कॉल आने के बाद रढ मोहाली के पास शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के मुताबिक, कॉल करने वाले ने खुद को आरज़ू बिश्नोई बताया और दिलनूर से कहा कि वह अपने दोस्त, बॉलीवुड और पंजाबी सिंगर बी प्राक को बताएं कि वह 10 करोड़ रुपये की फिरौती दे दें, नहीं तो एक हफ्ते के अंदर बुरे नतीजे होंगे।

दिलनूर की शिकायत के अनुसार, 5 जनवरी को उन्हें एक विदेशी नंबर से दो मिस्ड कॉल आए, जिनका उन्होंने जवाब नहीं दिया। 6 जनवरी को उन्हें एक दूसरे विदेशी नंबर से कॉल आया। जब दिलनूर ने कॉल उठाया और बातचीत संदिग्ध लगी, तो उन्होंने फोन काट दिया। इसके तुरंत बाद, उन्हें एक वॉइस मैसेज मिला जिसमें फिरौती की धमकी थी। ऑडियो मैसेज में, कॉल करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि एक हफ्ते के अंदर 10 करोड़ रुपये देने होंगे, नहीं तो बी प्राक को गंभीर नुकसान होगा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली ब्लास्ट केस में ईडी का बड़ा एक्शन

अल-फलाह यूनिवर्सिटी की 140 करोड़ की संपत्तियां अटैच की, चेयरमैन पर चार्जशीट

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ी संपत्तियों को अटैच कर दिया। इसमें यूनिवर्सिटी की इमारतें, स्कूल और विभागों की बिल्डिंग्स, हॉस्टल और धौज क्षेत्र की 54 एकड़ जमीन शामिल है, जिनकी कीमत करीब 140 करोड़ रुपए है। एऊ ने इन्हें अपराध की आय की श्रेणी में रखा है और कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है।

साथ ही यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी और उसके ट्रस्ट के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई है। यूनिवर्सिटी का नाम दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़ा था, जिसमें डॉक्टर उमर उन नबी ने 10 नवंबर को लाल किले के पास कार में धमाका किया था, जिससे 15 लोग मारे गए।

ईडी ने बताया कि यूनिवर्सिटी और उसके ट्रस्ट ने झूठी मान्यता और पहचान का दावा कर छात्रों और अभिभावकों को धोखे में रखा और इस तरह 415.10 करोड़ रुपए की अपराध की आय अर्जित की। जांच में सामने आया कि 9 शेल कंपनियां एक ही पते पर रजिस्टर्ड थीं और कई कंपनियों में एक ही मोबाइल नंबर इस्तेमाल हुआ। साथ ही ईपीएफओ रिकॉर्ड भी अनुपलब्ध मिला।

ईडी ने कहा कि अगर कोर्ट अस्थायी जब्ती को मंजूरी देता है, तो सरकार एक अधिकारी को यूनिवर्सिटी का संचालन संभालने के लिए नियुक्त कर सकती है। इससे स्टूडेंट्स की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। हरियाणा सरकार भी यूनिवर्सिटी पर शिकंजा कसने की तैयारी मेः हरियाणा सरकार ने 22 दिसंबर को हरियाणा निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, 2025 पास किया। नए प्रावधानों के तहत, अगर किसी यूनिवर्सिटी में नेशनल सिक्योरिटी, देश की अखंडता और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े मामले में चूक होती है, तो सरकार उसका प्रशासन अपने हाथ में ले सकती है और यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई कर सकती है। यह पहल सुरक्षा कारणों से की गई है और पहले के बिल में यह प्रावधान मौजूद नहीं था।

' दाल से 30% टैक्स हटाए भारत', अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप से की आयात शुल्क हटवाने की मांग

एजेंसी

वॉशिंगटन : हाल ही में यह संकेत मिले थे कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील के पहले चरण की बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही इसका ऐलान किया जा सकता है। इसी बीच अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखकर भारत से अमेरिकी पीली मटर (दलहन) पर लगाया गया आयात शुल्क हटवाने की मांग की है। सीनेटरों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में दलहन फसलों के लिए अनुकूल प्रावधान शामिल करने पर जोर दिया है। पत्र में राष्ट्रपति ट्रंप से आग्रह किया गया है कि वह यह सुनिश्चित करें कि भारत पीली मटर पर लगाया गया 30 प्रतिशत टैरिफ हटाए, ताकि अमेरिकी किसान अपने उत्पाद भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बेच सकें।

नॉर्थ डकोटा और मोंटाना अमेरिका में मटर समेत दलहन फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, जबकि भारत इन फसलों का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता है और वैश्विक खपत का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा उपयोग करता है। सीनेटरों का कहना है कि अमेरिका व्यापार में असंतुलन को दूर करने की दिशा में प्रयास कर रहा है और अमेरिकी किसान इस जरूरत को पूरा करने में सक्षम हैं।

पत्र में कहा गया है कि जैसे-जैसे भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है, किसी भी संभावित समझौते में दलहन फसलों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत में मसूर, चना, सूखी बीन्स और मटर जैसी दालों की खपत सबसे अधिक होती है, इसके बावजूद अमेरिकी दालों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए गए हैं।

सीनेटरों ने पत्र में उल्लेख किया है कि भारत ने 30 अक्टूबर 2025 को पीली मटर पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया था, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुआ। इस शुल्क के चलते अमेरिकी दाल उत्पादकों को भारतीय बाजार में अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्यात में प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इस मुद्दे को पहले भी उठाया गया था। वर्ष 2020 में भारत के साथ व्यापार वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने यह पत्र स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा था, जिससे अमेरिकी उत्पादकों के हितों को बातचीत की प्रक्रिया में शामिल करने में मदद मिली थी।

सीनेटरों का कहना है कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए नए बाजार अवसर तैयार करने की दिशा में राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका अहम रही है। उनका मानना है कि यदि व्यापार के अवसर बढ़ते हैं तो अमेरिकी किसान दुनिया को खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दालों पर टैरिफ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत करना दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा, जिससे अमेरिकी उत्पादकों और भारतीय उपभोक्ताओं-दोनों को लाभ मिल सकता है।

आसमान में चीन को बड़ा झटका, फेल हुआ शिजियान-32 उपग्रह प्रक्षेपण मिशन

शीचांग: चीन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शिजियान-32 उपग्रह का प्रक्षेपण शनिवार को विफल रहा। इसके प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट का उपयोग किया गया था। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के प्रक्षेपण केंद्र से रॉकेट ने 00:55 बजे (बीजिंग समयानुसार) उड़ान भरी, लेकिन उड़ान के दौरान एक असामान्य घटना घटित हुई। विफलता के कारणों की जांच की जा रही है।

33 फुट ऊंचा, वजन 210 टन

विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग बिहार के विराट रामायण मंदिर में हुआ स्थापित

एजेंसी

चंपारण: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर में आज विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना हो गई है। शिवलिंग 33 फुट ऊंचा और 210 टन वजनी है। जानकारी हो कि इस 'सहस्त्र शिव लिंगम' को तमिलनाडु में महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में एक ही काले ग्रेनाइट पत्थर से 10 वर्षों में तराशा गया है। 17 जनवरी 2026 यानी आज वैदिक अनुष्ठान के साथ धमार्चार्यो द्वारा इसे 18 फीट ऊँचे पेडेस्टल और 15 फीट की आधार संरचना पर अधिष्ठापित किया जाएगा। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विराट रामायण मंदिर में पूजा-पाठ कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मोतिहारी पहुंचेंगे।

जानें 'सहस्त्र शिव लिंगम' का अर्थ

आचार्य शिवानन्द ब्रह्मचारी उर्फ वांचस्पति मिश्र ने 'सहस्त्र शिव लिंगम' के महात्म्य के बारे में बताया 'सहस्त्र शिव लिंगम'का अर्थ है हजारों शिव लिंग, जो भगवान शिव के अनंत रूप, ब्रह्मांड की विशालता, और उनकी निराकार प्रकृति का प्रतीक है। यह 'सहस्त्रनाम'की तरह शिव के विभिन्न गुणों और रूपों को दशार्ता है, जहां'सहस्त्र'का मतलब 'हजार'होता है और लिंग स्वयं सृजन, शक्ति और परम सत्य का प्रतीक है, जिसमें ब्रह्मांड समाया है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण बिहार के लिए यह गौरवशाली क्षण है, जब हम अपने अराध्य देवाधिदेव श्री महादेव को एक साथ'सहस्त्र'रूप में चंपारण की पावन भूमि पर अधिष्ठापित होते हुए देख रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

चुडकु मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न

मुरी: कोचो पहाड़ की तलहटी और स्वर्ण रेखा नदी के तट पर छोटे- बड़े टुसू प्रर्दशनी के साथ हरिहर यानि चुडकु मेला धूमधाम से समाप्त हो गया। मेला के मंच पर विधायक अमित महतो, सविता महतो, जिप सदस्य लक्ष्मी देवी, सुफल महतो व अन्य ने मेला में आए लोगों को शुभकामनाएं दी। प्रर्दशनी में आए टुसू मेला को पुरस्कृत किया गया। ढोल नगाड़े की गूंज रही। क्षेत्र के ग्रमीण लोग अपने- अपने परिजनों से मिलकर खुश हुए। काफी भीड़ रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में मना आखाईन त्योहार

मुरी : ग्रामीण क्षेत्र में आखाईन त्योहार आस्था के साथ मनाया गया। खेतों में पूजा अर्चना की गई। खेतों में हल चलाया गया। गोबर डाला गया। किता के चण्डी प्रसाद महतो ने बताया कि पहला माघ कृषियों के लिए हर्ष का दिन है। इसी दिन सूर्य देवता का उत्तरायण होता है। जो कृषि के लिए उपकारी होता है। कुड़माली संस्कृति में इसे आखाईन यात्रा कहा जाता हैं। इस दिन किसान अपने खेत में हल चलाए,गोबर डिग में गोबर काटाई किए। यह दिन किसानों के लिए नववर्ष का प्रथम दिन है। माघ मास में रिश्तेदारों के वहां पिठा पहुंचनें का रिवाज पूरा किया गया। शादी जैसे शुभ कार्यों का प्रारंभ भी इसी महीने से होता है।

नाच-गान के साथ पढ़ाई भी जरूरी: : डॉ राजाराम महतो

सिल्ली : प्रखंड के दोसीमा गोड़ाडीह में जय नागदेव मुन्गा बुरू पूजा एवं मेला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन स्थानीय विधायक अमित महतो ने किया। इस मेले मे कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजा राम महतो , छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ,गोड़ाडीह पंचायत की मुखिया सावन देवी एवं पंचायत समिति सदस्य चैती देवी समेत गन्यमान्य लोग शामिल हुए। डॉ राजाराम महतो ने मेला में आये लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नाच-गान के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा के इस आधुनिक दौर में अभिभावक अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए कोई कसर न छोड़े। गीत- संगीत से दिमाग शांत होता है और एकाग्रता बढ़ती है, जिससे पढ़ाई का बोझ कम लगता है। मेला में पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के जयपुर के पाता नाच उस्ताद रामकृष्ण महतो एंव टीम द्वारा प्रस्तुत गीत एंव नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। मेला आयोजन को सफल बनाने में लखीचरण महतो, विरेंद्र महतो ,नागेश्वर महतो , विरेन महतो ,कृष्ण चरण महतो, शिशुपाल महतो ,अजय कुमार, सीमंत महतो ,मंगल सिंह, महतो नरेंद्र, नाथ रुपेश महतो, लालमोहन महतो व अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

उपायुक्त ने जिला पुस्तकालय निर्माण कार्य का किया औचक निरीक्षण

चतराः जिला मुख्यालय स्थित चतरा कॉलेज परिसर में कार्यकारी एजेंसी भवन निर्माण निगम द्वारा निमार्णाधीन जिला पुस्तकालय भवन का उपायुक्त कीर्तिश्री ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने निर्माण कार्य की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला पुस्तकालय का निर्माण कार्य एक महत्वपूर्ण और जनहित से जुड़ी योजना है, जिससे जिले के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आम नागरिकों को उच्च स्तरीय पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।उपायुक्त ने कार्यकारी एजेंसी को सख्त निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और जल्द से जल्द पूर्ण कर विभाग को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया, ताकि कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा का पालन सुनिश्चित हो सके।

नेक्सा शोरूम का हुआ उद्घाटन

चतरा : जिला मुख्यालय स्थित चतरा एसपी आवास के निकट शुक्रवार को मारुति सुजुकी के नेक्सा शो रुम का भव्य उद्घाटन हुआ। चतरा सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर शो रुम का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए सांसद श्री कालीचरण सिंह व विधायक कुमार उज्ज्वल ने कहा कि शो रुम का खुलना चतरा के लिए काफी खुशी की बात है। अब यहां के लोगों को वाहन खरीदने के लिए हजारीबाग और रांची जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।वहीं शो रुम के सीओ गौरव लोधा ने बताया कि शो रुम के साथ साथ बायपास में सर्विस सेंटर भी खुला है।

नहीं थम रहा भीषण ठंड का सिलसिला

आज राज्य के 6 जिलों में शीतलहर की संभावना रहें अलर्ट फरवरी से मिलेगी ठंड में राहत

संवाददाता

रांची : राज्य में ठंड ने लगातार कहर बरपाया हुआ है। ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। वहीं, इसी बीच मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने आज यानी शनिवार को राज्य के छह जिलों में शीतलहर चलने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने लोगों से की सावधान रहने की अपीलः मौसम विभाग के मुताबिक बोकारो, रामगढ़, गुमला, खूंटी, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में आज शीतलहर चलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि ठंडी हवाओं के चलते सुबह और रात के समय लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

फरवरी की शुरूआत के साथ ठंड पड़ेगी कमजोर : मौसम विभाग के मुताबिक फरवरी की शुरूआत के साथ ठंड का प्रभाव कमजोर पड़ने लगेगा और लोगों को राहत मिलने लगेगी। फिलहाल शीतलहर और कोहरे को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा गया है।

संधरी घाटी में यूपी की महिला पर्यटक को आया हार्ट अटैक, मौके पर ही मौत

संवाददाता

चतरा : बिहार के धार्मिक नगरी गया जी दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के एक दल के लिए यात्रा उस समय मातम में बदल गई, जब रास्ते में एक महिला पर्यटक की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। घटना चतरा जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत संधरी घाटी की है, जहाँ बीते यह दुखद हादसा हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक महिला की पहचान राधा अग्रवाल के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा की रहने वाली थी। राधा अग्रवाल अन्य तीर्थयात्रियों के साथ गंगासागर से दर्शन कर ओडिशा होते हुए चतरा के रास्ते गया जी (बिहार) जा रही थीं। यात्रा के दौरान जैसे ही उनकी टूरिस्ट बस चतरा की संधरी घाटी के पास पहुँची, राधा अग्रवाल को अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। जब तक साथी कुछ समझ पाते या उन्हें चिकित्सीय सहायता मिल पाती, मौके पर ही उनकी जान चली गई। सफर कर रहे अन्य पर्यटकों के बीच इस घटना से चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को रात में ही चतरा सदर अस्पताल के सुरक्षित गृह में रखवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम किया गया।पुलिस ने मृतक के परिजनों को आगरा में सूचना दे दी है। मृतक महिला की साथी राजकुमारी देवी ने भावुक होते हुए बताया कि राधा अग्रवाल लंबे समय से उनके साथ धार्मिक यात्राओं पर जाया करती थीं। उन्होंने कहा कि राधा हमारे साथ पहले भी कई बार तीर्थ यात्रा पर जा चुकी थीं। यह हमारी उनके साथ छठी या सातवीं यात्रा थी। हम सभी बहुत खुश थे कि गंगासागर के दर्शन हो गए, लेकिन भगवान को कुछ और ही मंजूर था। जिस बस में लोग भजन-कीर्तन करते हुए गया जी की ओर बढ़ रहे थे, वहां अब सन्नाटा पसरा हुआ है। साथी यात्रियों का कहना है कि राधा अग्रवाल पूरी तरह स्वस्थ लग रही थीं, लेकिन अचानक आए इस अटैक ने सबको झकझोर कर रख दिया है।

रेडक्रॉस सोसाइटी ने सौ से अधिक असहायों के बीच बांटा गर्म कपड़ा और कंबल

संवाददाता

चतरा : जिले में बढ़ती कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, चतरा ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। सोसाइटी के सौजन्य से शहर के विभिन्न हिस्सों में सैकड़ों असहाय और जरूरतमंद लोगों के बीच गर्म कपड़ों, स्वेटर और जैकेट का वितरण किया गया। कंबल और गर्म कपड़ों के वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव धर्मेंद्र पाठक और कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार सोनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। इस दौरान सोसाइटी के सदस्यों ने देर शाम घूम-घूम कर रिक्शा चालकों, फुटपाथ पर जीवन बसर करने वाले बच्चों, बुजुर्गों और निशक्त लोगों को कंबल ओढ़ाए। ठंड से ठिठुर रहे लोगों के चेहरे पर गर्म कपड़े पाकर मुस्कान लौट आई। सचिव धर्मेंद्र पाठक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है। हमारा लक्ष्य है कि इस हाड़ कंपा देने वाली ठंड में कोई भी असहाय व्यक्ति बिना गर्म कपड़ों के न रहे। यह सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार ने बताया कि वितरण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले जैकेट और स्वेटर का चयन किया गया है ताकि लोगों को इस भीषण ठंड से पर्याप्त सुरक्षा मिल सके। सोसाइटी के इस मानवीय कार्य की स्थानीय लोगों ने जमकर प्रशंसा की है।

वारंटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

चतरा : सदर थाना पुलिस ने शुक्रवार को लंबे समय से फरार चल रहे एक लाल वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जेल भेजा गया वारंटी सदर थाना क्षेत्र के सीमा गांव निवासी भुनेश्वर पांडेय का पुत्र अशोक पांडेय का नाम शामिल है। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि अशोक पांडेय के विरुद्ध सदर थाना में मारपीट का एक मामला दर्ज है। मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। न्यायालय ने उसके विरुद्ध लाल वारंट जारी कर रखा था। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया और मेडिकल जांच के बाद उसे जेल भेज दिया।

जिला गंगा समिति की बैठक में योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

संवाददाता

चतरा : नमामि गंगे योजना के अंतर्गत जिला गंगा समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में उप-विकास आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुई। यह बैठक राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, झारखंड के निदेर्शानुसार आयोजित की गई। बैठक में जिला गंगा समिति के सभी नामित सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान विगत माह में जिला गंगा समिति द्वारा निरंजना नदी (फल्गु नदी) के जीर्णोद्धार क्षेत्र सहित जिले के विभिन्न भागों में स्वच्छता को लेकर संचालित किए गए कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। सदस्यों द्वारा नदी स्वच्छता, जन-जागरूकता एवं संरक्षण से संबंधित गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही निरंजना नदी (फल्गु नदी) के उद्गम स्थल के जीर्णोद्धार क्षेत्र के लिए तैयार किए गए प्रस्तावित प्राक्कलन की भी समीक्षा की गई। ताकि नदी संरक्षण एवं क्षेत्रीय विकास को मजबूती मिल सके।बैठक को संबोधित करते हुए उप-विकास आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सिन्हा ने निर्देश दिया कि प्रस्तावित प्राक्कलन की राज्य स्तर पर वर्तमान स्थिति की जानकारी शीघ्र प्राप्त की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता के अनुसार नए प्रस्तावों को तैयार कर सक्षम स्तर पर प्रस्तुत किया जाए, ताकि नमामि गंगे योजना के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा सके।बैठक में जिला योजना पदाधिकारी एवं जिला गंगा समिति के सभी सदस्यगण उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन किया गया।

हंटरगंज शिव मंदिर कमेटी का हुआ पुर्नगठन,अमन बने अध्यक्ष

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में एक बैठक शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं उपसचिव का पुर्नगठन किया गया।इस बैठक मे निर्णय लिया गया कि कमेटी मंदिर व गांव में होने वाली पूजा व सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेगी।

पिछले कुछ दिनों से मंदिर के प्रांगण में व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। सदस्यों ने मंदिर के साफ- सफाई पर चर्चा की। नया कमेटी का गठन का मुख्य उद्देश्य सारे व्यवस्थाओं को देखना एवं सारे भक्तों के लिए हर एक व्यवस्था को उनके सामने लाना जिसमें अध्यक्ष पद के लिए हंटरगंज के लोग ने अमन कुमार को आगे किया और उपाध्यक्ष पद के लिए पवन रजक एवं पियूष रजक कोषाध्यक्ष अशोक रजक, एवं सचिन ऋषभ गुप्ता, उप सचिव राजदीप कुमार, को बनाया गया।

किड्स जोन स्कूल व सासा इंटरनेशनल स्कूल का दूसरा वार्षिक उत्सव मना

बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोहा

संवाददाता

रांची : मनीटोला, गौस नगर, डोरंडा स्थित किड्स जोन स्कूल और सासा इंटरनेशनल स्कूल संपूर्ण अध्ययन की एक इकाई में दूसरे वार्षिक समारोह का आयोजन वन भवन के पलाश सभागार में किया गया। किड्ज जोन स्कूल और सासा इंटरनेशनल स्कूल के दूसरे वार्षिक उत्सव में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि डीआईजी (वाइरलेस) अश्वनी कुमार सिन्हा, जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शहदेव और स्कूल के निदेशक सज्जाद खान, प्रिंसिपल सबा परवीन और अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन

किया। मौके पर अश्वनी कुमार सिन्हा ने कहा कि यह स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बेहतर काम कर रहा है। उन्होंने स्कूलों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वार्षिक उत्सव विद्यालय का आईना होता है। इससे बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा का विकास होता है। साथ ही मौके पर उन्होंने स्कूल को इंडिया नेशनल अवार्ड मिलने पर स्कूल प्रबंधन को बधाई दी। मौके पर जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शहदेव ने कहा कि यह स्कूल पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को एक अच्छा इंसान बनने में लगातार काम कर रहा है। बच्चों के बच्चों के प्रस्तुति को देखकर स्कूल की खूब सराहना की। साथ ही बच्चों के अभिभावकों से बच्चों को लंच पर पौष्टिक आहार देने की बातें कहीं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक नृत्य, संगीत और नाटक प्रस्तुत कर लोगों से अपनी हुनर का लोहा मनवाया। इस मौके पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस मौके पर वर्ष भर स्कूल में अलग-अलग प्रतियोगिता और परीक्षा परिणाम में सफल हुए छात्रों और छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरा स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों व अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

मुख्यमंत्री ऑक्सफोर्ड विवि में देंगे व्याख्यान, 23 जनवरी को करेंगे संवाद

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यूके की आधिकारिक यात्रा के दौरान 23 जनवरी को शाम पांच बजे विश्वविद्यालय ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में अपनी बात रखेंगे। इसका विषय होगाः आदिवासी बहुल, संसाधन-समृद्ध राज्य टिकाउ और हरित औद्योगीकरण, जिम्मेदार खनिज आधारित विनिर्माण और समावेशी, निवेश-आधारित विकास को कैसे आगे बढ़ा सकता है।

मुख्यमंत्री के साथ इस विषय पर ऑक्सफोर्ड में सामाजिक मानवशास्त्र की प्रोफेसर अल्पा शाह और ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में प्रोफेसर माया टयूडर बात करेंगी। मौके पर प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास की दृष्टि के अनुरूप संबंधित विषय पर चर्चा होगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्हें 23 जनवरी की बातचीत का इंतजार है।

शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में भारत के राजदूत मृदुल कुमार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 से जुड़ी तैयारियों और एजेंडे पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड का प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूईएफ और इसके बाद यूनाइटेड किंगडम यात्रा के दौरान उर्जा क्षेत्र के वैश्यिक निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और नीति-निर्माण से जुड़े संस्थानों से संवाद करेंगा।

जैक 10वीं बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी, 3 फरवरी से शुरू होगा एग्जाम

संवाददाता

रांची : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने 10वीं बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी कर दिया है। एडमिट कार्ड सिर्फ संबंधित स्कूल और कॉलेजों के प्रधानाचार्य ही डाउनलोड कर सकते हैं।

विद्यार्थियों को अपने-अपने स्कूलों से एडमिट कार्ड लेने होंगे। काउंसिल ने सभी स्कूलों को समय पर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर छात्रों को वितरित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। 3 से 17 फरवरी तक चलेंगी परीक्षाएंः बता दें कि जैक 10वीं बोर्ड

परीक्षा 3 फरवरी से शुरू होगी, जो 17 फरवरी तक चलेगी। परीक्षाएं प्रथम पाली यानी सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होंगी। परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

परीक्षा पैटर्न

- ✔ परीक्षा प्रश्न-सह-उत्तरपुस्तिका के माध्यम से होगी।
- ✔ डटफशीट उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।
- ✔ बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर भी उत्तरपुस्तिका में ही लिखने होंगे।

मार्क्स का डिवीजन

- 30% अंक : बहुविकल्पीय प्रश्न
- 50% अंक : लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
- 20% अंक : आंतरिक मूल्यांकन

परीक्षा की अवधि

- कुल अवधिः 3 घंटे
- समय : सुबह 9:45 बजे से 1:00 बजे तक

इसके बाद स्कूल में 24 फरवरी से 07 मार्च तक प्रैक्टिकल और वाइवा एग्जाम होगा।

धर्म के नाम पर नहीं, शिक्षा व रोजगार के मुद्दे पर होनी चाहिए राजनीति : डॉ. इरफान अंसारी

संवाददाता

रांचीः झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज देश में लोगों को जानबूझकर मंदिर और मस्जिद के मुद्दों में उलझाया जा रहा है, जबकि असली समस्याएं शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज को बांटने की राजनीति हुई है, उसका सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को ही उठाना पड़ा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने भी इसी नीति के तहत दलितों,

आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को आपस में लड़ाकर शासन किया था और आज वही काम भाजपा कर रही है। भाजपा गरीबों को आपस में बांटकर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर कोई कोर्ट, थाना या जेल जाकर देखे तो वहां ज्यादातर गरीब तबके के लोग ही मिलेंगे, सत्ता में बैठे लोगों के बेटे-बेटियां वहां नजर नहीं आएंगे।डॉ अंसारी ने कहा कि एक दिन देश के लोगों को यह जरूर समझ में आएगा कि धर्म के नाम पर लड़ते-लड़ते हम शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी अधिकारों से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि पहले अंग्रेजों ने हमें कुचला और आज वही काम भाजपा कर रही है। उन्होंने साफ कहा कि देश को मंदिर-मस्जिद की राजनीति नहीं, बल्कि बेहतर स्कूल, अच्छे अस्पताल और रोजगार चाहिए। यही असली मुद्दे हैं, लेकिन भाजपा जानबूझकर लोगों का ध्यान भटकाकर समाज को बांटने का काम कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं पर शायद ही कभी कोई कार्रवाई होती है, जबकि दलितों, आदिवासियों और मुसलमानों पर आसानी से मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह असमानता लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। अपने संबोधन के अंत में डॉ इरफान अंसारी ने खास तौर पर युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। अपने भविष्य को पहचानें, अपने अधिकारों के लिए जागरूक हों और शिक्षा, रोजगार व सम्मान की लड़ाई को ही प्राथमिकता दें।

पूर्वी भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय का तीसरा कैंपस रांची में होगा शुरू

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने आज रांची में अपने तीसरे कैंपस की शुरूआत की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य झारखण्ड और देश के पूर्वी हिस्से में गुणवत्तापूर्ण, समाज से जुड़ी और क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप उच्च शिक्षा को मजबूती देना है। अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन की इस पहल के तहत विश्वविद्यालय का नया कैंपस शिक्षा, विकास अध्ययन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और प्रशासन के क्षेत्रों में अकादमिक और जमीनी अनुभव को जोड़ने पर केंद्रित होगा। राँची ज़िले के इटकी क्षेत्र में 150 एकड़ में विकसित हो रहे इस कैंपस में आधुनिक कक्षाएँ, प्रयोगशालाएं,

खेल सुविधाएं, छात्रावास और फैकल्टी आवास उपलब्ध कराए जाएंगे, साथ ही भविष्य में अस्पताल और मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की भी योजना है। विश्वविद्यालय के नामित कुलपति जुल्फिकार हैदर के अनुसार, रांची कैंपस झारखण्ड की सामाजिक और विकासात्मक आवश्यकताओं, आदिवासी और अन्य समुदायों की ज्ञान परंपराओं तथा क्षेत्रीय संदर्भों से गहराई से जुड़कर काम करेगा। कैंपस में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और सतत शिक्षा कार्यक्रम संचालित किए जाएँगे, जिनमें शिक्षा, विकास अध्ययन, अर्थशास्त्र, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और सस्टेनेबिलिटी जैसे विषय शामिल होंगे। इसी शैक्षणिक सत्र में एमए एप्लाइड इकोनॉमिक्स और एमए डेवलपमेंट की शुरूआत के साथ लोकल डेवलपमेंट, प्रारंभिक बाल शिक्षा और शैक्षणिक मूल्यांकन में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े अल्पकालिक सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी शुरू किए जाएँगे। विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार, रांची कैंपस क्षेत्र में ज्ञान सृजन, कौशल विकास और सामाजिक हितों से जुड़े शोध को बढ़ावा देकर झारखण्ड और पूर्वी भारत के मानव विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बदहाली का शिकार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड, संपत्तियां खतरे में: गुलाम शाहिद

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। न तो कार्यालय में कोई जिम्मेदार अधिकारी उपलब्ध है और न ही आवश्यक कर्मचारी। वक्फ बोर्ड लगभग एक गया-गुजरा दफ्तर बनकर रह गया है, जिसका सीधा असर वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और उनके समुचित प्रबंधन पर पड़ रहा है। हाल के दिनों में रांची अंजुमन इस्लामिया के महासचिव ने वक्फ बोर्ड को पत्र लिखकर गंभीर चिंता जताई है कि अंजुमन अस्पताल के बैंक खाते में जमा राशि असुरक्षित स्थिति में है और उसे सुरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। इस पर वक्फ बोर्ड ने महासचिव को पत्र जारी कर यह निर्देश दिया कि अंजुमन में चुनाव प्रक्रिया चल रही है, इसलिए किसी भी प्रकार के खर्च और राशि की निकासी पर रोक रहेगी। गौरतलब है कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। फ्रीज किए गए बैंक खाते को चालू कराने के लिए अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोर्ट में मामला दर्ज कराया गया है, लेकिन इस गंभीर प्रकरण पर वक्फ बोर्ड की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष और सचिव के आपसी विवाद का सीधा असर संस्था पर पड़ रहा है, जिससे अंजुमन को करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मामले से अवगत होने के बावजूद वक्फ बोर्ड के चेयरमैन की खामोशी पर समाज के लोगों में गहरा आक्रोश है।

समाज के बुद्धिजीवियों और जिम्मेदार नागरिकों ने राज्य सरकार और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से मांग की है कि झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड में अविलंब नियमित नियुक्तियां की जाएं, स्थायी सीईओ की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा वक्फ संपत्तियों की लूट और दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि वक्फ की अमानत को सुरक्षित रखा जा सके।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में बीजेपी की जीत, पीएम मोदी के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीकः आदित्य

संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा है कि महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत हुई। महाराष्ट्र की जनता ने राष्ट्रविरोधी, तुष्टीकरण की मानसिकता को पराजित किया है, और राष्ट्रवादी विकासोन्मुख सोच वाले लोगों को प्रचंड जीत दिलाई है।

उन्होंने महाराष्ट्र की जनता को और पार्टी के कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत का रथ लगातार दौड़ रहा।

विकसित भारत केलिए गांव और शहर दोनों को सजाने संवारने की जरूरत है। आज देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास की जीत है। श्री

साहू ने कहा कि विकास के लिए झारखंड की जनता तरस रही है। आनेवाले दिनों में भाजपा बंगाल और असम विधानसभा चुनाव को भी जीतेगी साथ ही झारखंड के निकाय चुनाव में भी भाजपा कार्यकर्ता ही परचम लहराएंगे।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि आज देश में जनता विकास चाहती है। विकास से ही विकसित भारत बनेगा। यह विकास का सपना भाजपा और एनडीए ही कर सकती है यह जनता समझ चुकी है। सबका साथ सबका विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पूरे देश में भगवा लहर है। जनता अब कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को मौका नहीं देना चाहती है। जनता का भरोसा भाजपा पर लगातार बढ़ रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में जीत की खुशी में ढोल बाजों की थाप पर पटाखे छोड़ कर और मिठाइयां बांट कर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश और रांची महानगर के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

Very Short-Term e-Procurement Notice

Sl. No.	Tender Reference No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	BCD/Div.No.-1, Ranchi/55/2025-26	Upgradation and Renovation Work of Community Hall in the Campus of Hotwar Central Jail, Ranchi	8069800	Two Month
2	Start Date of Submission of Bids		23-01-2026 at 11.00 AM	
3	Last Date/Time of Submission of Bids		30-01-2026 at 11.00 AM	
4	Date/Time of Opening of Bid		31-01-2026 at 11.00 AM	
5	Helpline Number of e-procurement Cell		8527519262	
6	e-mail ID		eebcddiv1ranchi@gmail.com	

Note : - Cost of bidding document (Non-Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://Jharkhandtenders.gov.in
Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in
Any Other information can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No. 1, Ranchi

PR 370853 Building (25-26)_D

जिला अभियंता का कार्यालय
जिला परिषद, रामगढ़

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :– *ZP/RAMGARH/04/2025-26*
1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–
2.मद *–15th Finance Health Sector*

क्र०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य (रु०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	Chitarpur	Construction of Health Sub Centre at Mael	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
2	Chitarpur	Construction of Health Sub Centre at Barkipona	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
3	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Pindra	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
4	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Barughutu North	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
5	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Basantpur	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
6	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Bumri	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
7	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Badgaon	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह
8	Mandu	Construction of Health Sub Centre at Bongawar	55,50,000.00	1,11,000.00	10,000.00	12 (बारह) माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – दिनांक 24.01.2026
2. ई–निविदा डालने / प्राप्ति की तिथि एवं समय– दिनांक 24.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 अपराह्न 04:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय– दिनांक – 31.01.2026 को अपराह्न 04:00 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता– जिला अभियंता, जिला परिषद, रामगढ़।
5. ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं०– 9801557645
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई– भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जायेगा, उसी खाते मे अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है। तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
8. निविदा Double Bid पद्धति से होगा।
9. इस निविदा में जिला परिशद, रामगढ़ के अंतर्गत पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेंगे।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट Jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय के सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, रामगढ़

PR 370814 District(25-26).D

जयंती विशेषः हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक थे बाबा ए कौम अब्दुल कय्यूम अंसारी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची:भारत के मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों में एक नाम अब्दुल कय्यूम अंसारी का भी आता है। अब्दुल कयूम अंसारी का जन्म 01 जुलाई 1905 को बिहार के जिला शाहाबाद के कस्बा डेहरी ऑन सोन में हुआ था उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की ।आजादी की लड़ाई में वह उम्र की शुरूआती हिस्से में ही कूद पड़े थे उन्होंने स्कूल से अपना नाम कटवा लिया था क्योंकि वह अंग्रेजी हुकूमत का था । कुछ छात्रों के साथ मिलकर उन्होंने एक विद्यालय की स्थापना की। जिसकी वजह से 16 साल की

उम्र में उन्हें जेल जाना पड़ा। 1919 के खिलाफत आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने, 1920 में गांधी जी के आह्वान पर बिहार राज्य से असहयोग आंदोलन का नेतृत्व किया। 1927 में साइमन कमीशन के भारत आगमन पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। 1937 - 38 में उन्होंने मोमिन आंदोलन की शुरूआत की जो आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आजादी की लड़ाई में साथ-साथ चली। 1940 में उन्होंने मुस्लिम लीग की अलगाववादी नीतियों का विरोध करते हुए पाकिस्तान की मांग का जमकर विरोध किया । 1942 में उन्होंने महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया 1947 में उन्होंने भारत के बंटवारे का जमकर विरोध किया और मुस्लिम समुदाय से अपील की, कि वह भारत छोड़कर पाकिस्तान न जाए । स्वतंत्रता प्राप्ति की उपरांत हुए चुनाव में वह मोमिन कॉन्फ्रेंस /जमीअतुल मोमीनीन के टिकट पर चुनाव लड़े और जीतकर बिहार सरकार में मंत्री बनाए गए। 1953 में उन्होंने ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेस कमीशन का गठन करवाया जो वाकई एक बड़ा कदम था । 03 अप्रैल 1970 को कांग्रेस की ओर से राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए । उन्होंने हमेशा देश के कमजोर वर्गों को उत्थान के लिए कार्य किया वह भारत की हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक थे ।18 जनवरी 1973 को इस महान स्वतंत्रता सेनानी का निधन हो गया 2005 में भारतीय डाक सेवा द्वारा उनकी स्मृति में डाक टिकट भी जारी किया गया।

रांची विवि ने ई-कल्याण छात्रवृत्ति आवेदन के लिए जारी की अधिसूचना

रांची : रांची विश्वविद्यालय ने सत्र 2025- 26 के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों को ई-कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने का निर्देश जारी किया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि आवेदन करते समय सभी आवश्यक प्रमाण पत्रों की हार्ड कॉपी संबंधित विभाग में जमा कराना अनिवार्य होगा। सूचना के अनुसार, जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र का सत्यापन कॉमन सर्विस सेंटर से कराना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय ने चेतावनी दी है कि आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलत प्रमाण पत्र पाए जाने की स्थिति में पूरी जिम्मेदारी छात्र-छात्राओं की होगी। इसके अलावा, छात्रों को नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर अपने आवेदन की स्थिति की जांच करने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से ध्यान देने योग्य बात यह है कि एक शैक्षणिक सत्र में केवल एक ही छात्रवृत्ति योजना का लाभ लिया जा सकता है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वैश्विक दबावों से परे भारत की आर्थिक उड़ान

अमेरिका के लाख दबाव के बाद भी भारत की आर्थि?क ग्रोथ होना बताता है कि हम सही दिशा में हैं। वस्तुतः ये दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी मूक संदेश है कि कभी एक या सीमित देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, लाख असहमति के बाद भी दुनिया में एक साथ अनेक मित्र बनाए जा सकते हैं, संतुलित मित्रता, बहुआयामी साझेदारी और आत्मनिर्भरता ही भविष्य का रास्ता है, जिसका आज भारत सशक?त उदाहरण है। क?योंकि केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने यह साफ कर दिया है कि वह किसी एक देश या बाजार पर निर्भर नहीं है। इसलिए ही अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियों के दबावों के बावजूद भारत ने निर्यात, उत्पादन और सेवाओं के क्षेत्र में आज मजबूती दिखाई है।

वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस आत्मविश्वास की ठोस तस्वीर पेश करते हैं। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात, जिसमें माल और सेवाएं दोनों शामिल हैं, 634.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 607.93 बिलियन डॉलर के मुकाबले 4.33 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसी तरह से अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान माल निर्यात 330.29 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, यह भी 322.41 बिलियन डॉलर पिछले वर्ष की तुलना से 2.44 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से गैर पेट्रोलियम निर्यात का 288.16 बिलियन डॉलर तक पहुंचना और 5.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करना यह दशार्ता है कि भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाते हुए विविध क्षेत्रों में मजबूती बना रहा है।

दिसंबर 2025 में ही माल निर्यात 38.51 बिलियन डॉलर रहा, जोकि इससे एक वर्ष पूर्व 2024 के दिसंबर के आंकड़े से बेहतर है। इस बीच हमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेज उछाल देखने को मिला, जहां यह 3.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4.17 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फार्मा सेक्टर ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए स्थिर वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पादों ने भी निरंतर मांग के दम पर मजबूती दिखाई देती है। कहना होगा ऐसे सकारात?मक वातावरण में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित निर्यात भी पीछे नहीं रहे। मीट, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों में आई वृद्धि दशार्ती है कि ग्रामीण भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा बन चुका है।

देखने में आ रहा है कि जहां माल निर्यात उत्पादन क्षमता को दशार्ता है, वहीं सेवाओं का निर्यात भारत की बौद्धिक और तकनीकी शक्ति का प्रमाण है। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच सेवाओं का अनुमानित निर्यात 6.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 303.97 बिलियन डॉलर रहा है। आईटी, सॉफ्टवेयर और बिजनेस सर्विसेज ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक मंदी के संकेतों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। हालांकि दिसंबर 2025 में कुल निर्यात में हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई, किंतु सेवाओं का निर्यात 35.50 बिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। यही वह क्षेत्र है जिसने ट्रेड बैलेंस को संभालने में निर्णायक भूमिका निभाई। ऐसे में 151.74 बिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस यह दिखाता है कि भारत इस वक?त आयात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं रही है, यह निर्यात प्रेरित विकास मॉडल की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

यहां समझने के लिए यह भी है कि भारत की निर्यात सफलता का एक बड़ा कारण उसका बदला हुआ वैश्विक दृष्टिकोण है। वह आज किसी एक देश पर निर्भर नहीं रह कर सभी के साथ अपने मित्रवत संबंध बनाने में सफल दिखता है। तमाम असहमतियों के बीच भी अमेरिका के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्ते उसके बने ही हुए हैं। साथ ही एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी अपने बाजारों का विस्तार किया है। चीन को निर्यात में दर्ज की गई तेज वृद्धि यह दशार्ती है कि यहां भी राजनीतिक असहमति के बावजूद आर्थिक संवाद और व्यापारिक संभावनाएं खुली रखी जा सकती हैं।

यूएई, मलेशिया, स्पेन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग इस बात का प्रमाण है कि एक दुनिया, अनेक मित्र की नीति व्यावहारिक और लाभकारी भी है। यह रणनीति वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत को जोखिमों से बचाती है और नए अवसरों के द्वार खोलती है। हालांकि यह सच भी है कि आयात में वृद्धि होने के बाद भी मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट एक चुनौती बना हुआ है। किंतु इसे कमजोरी के रूप में देखने के बजाय संक्रमणकालीन चरण के रूप में समझना अधिक उचित होगा। क?योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और कच्चे माल का आयात भविष्य की उत्पादन क्षमता को मजबूत करने का आधार है। दूसरी ओर सोना और कुछ गैर जरूरी आयातों में आई कमी यह बताती है कि नीतिगत स्तर पर संतुलन साधने की कोशिशें जारी हैं।

कहना यही होगा कि मोदी सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं, मुक्त व्यापार समझौते और लॉजिस्टिक्स सुधार आने वाले वर्षों में भारत के निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले हैं। लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट है कि भारत को एक सफल वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस हब बनाया जाना है, जिसके लिए जमीन पर अनेक कार्य होते हुए आज दिखाई दे रहे हैं।

वस?तुतः आज किसान, कारीगर, स्टार्टअप संस्थापक और आईटी पेशेवर, हर वर्ग यह महसूस कर रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था सही दिशा में बढ़ रही है। आज विश?व स?तर के तमाम दबावों के बीच भी सकारात्मक ग्रोथ बनाए रखना इस बात का प्रमाण है कि भारत ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग के बीच संतुलन साधने का अपने में हुनर पा लिया है। ऐसे में साल 2025 का यह निर्यात प्रदर्शन उस भविष्य की झलक है जहां भारत आत्मविश्वास के साथ कह सकता है कि हम अब आत?मनिर्भर हैं, हम दुनिया के साथ हैं और अपनी शर्तों पर आगे बढ़ रहे हैं। यही नया भारत है और यही उसकी आर्थिक उड़ान की आज की सफलतम कहानी है।

यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70% हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज्यादा प्रदूषित भाग है। दिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है।

प्रदीप श्रीवास्तव

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी को साफ करने के लिए बीते तीन दशकों में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कोशिशों, विदेशी सहायता और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारें अभी तक यमुना को साफ करने की मूलभूत रणनीति को ही नहीं समझ पाई हैं। नतीजा यह है कि यमुना, जो कभी दिल्ली की प्यास बुझाने वाली नदी थी, आज एक ₹मरी हुई नदी₹ बनती जा रही है। जबकि, बहुत छोटे स्तर पर एक एनजीओ द्वारा किया गया प्रयास रंग लाने लगा है। क्योर एनजीओ ने बहुत छोटे स्तर पर मलिन बस्तियों से निकलने वाले सीवेज को साफ करना शुरू कर दिया है, जो यमुना में जाकर मिलता है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इस मॉडल को दिल्ली की सभी मलिन बस्तियों में लागू कर दिया जाए, तो यमुना को साफ करने में काफी हद तक कामयाबी पाई जा सकती है। दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या सीवेजः यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70% हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज्यादा प्रदूषित भाग है।

दिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है। लेकिन इसके शोधन की क्षमता लगभग 597 मिलियन गैलन प्रतिदिन ही है। वास्तविकता यह है कि चालू स्थिति में सिर्फ. 514 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज ट्रीट होता है। यानी लगभग 200 मिलियन गैलन प्रतिदिन से अधिक सीवेज बिना शुद्धिकरण के सीधे यमुना में चला जाता है। दिल्ली में कुल 35 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन इनमें से 50% अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं।

दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1,800 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियाँ और लगभग 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनसे निकलने वाला सीवेज केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ा ही नहीं है। इसका मतलब है कि बड़ी योजनाएँ और एसटीपी लगाने के बावजूद, जब तक इन बस्तियों और कॉलोनियों को ध्यान में रखकर विकेंद्रीकृत समाधान नहीं अपनाया जाएगा, तब तक यमुना को साफ करना संभव नहीं है।

छोटे प्रयास, बड़ा असरः दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फॉर अरबन एंड रेज़िलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है।

इस मॉडल के फायदेः सीवेज को यमुना तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाता है। महंगे एसटीपी और बड़े ड्रेनेज नेटवर्क पर निर्भरता कम होती है।स्थानीय स्तर पर रोजगार और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है। बस्ती में स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति सुधरती है। दिल्ली के वसंत विहार इलाका स्थित शिवा कैंप, एक छोटी मलिन बस्ती है, जहाँ करीब 105 घर और लगभग 735 लोग रहते हैं। यहां काम कर रहे एक एनजीओ क्योर ने एक इंटरसेप्टिक टैंक लगाया, जो बस्ती से निकलने वाले सीवेज को साफ करता है। सिर्फ छह महीनों में इस मॉडल ने बस्ती की तस्वीर बदल दी। अब यहाँ मच्छर और गंदगी जनित बीमारियाँ कम हो गईं। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और आय में सुधार हुआ। अब बस्ती के लोग खुद मानते हैं कि बीमारी पर होने वाला खर्च कम हुआ है। यहाँ के राजू प्रधान, जो अघोषित तौर पर इस बस्ती के कर्ताधर्ता हैं, कहते हैं कि यहाँ गंदगी इतनी होती थी कि पहले यहाँ कूड़े वाली गाड़ी नहीं आती थी, लेकिन बाद में जब यहाँ एनजीओ वालों ने सफाई की अलख जगाई, तब यहाँ पर इतनी सफाई हो गई कि अब कूड़े वालों को यहाँ आने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वे कहते हैं कि यहाँ हर चीज में तीन माह में ही फर्क दिखने लगा। वहीं, यहाँ के एक निवासी बृजमणि कहती हैं कि यहाँ गंदगी के कारण लोगों के सिर में दर्द की शिकायत रहती थी, जबकि कई लोग माइग्रेन और त्वचा से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन यहाँ सफाई व्यवस्था ठीक होने के कारण सब अच्छा हो गया और अब परेशानियाँ भी काफी कम हो गई है। जबकि, आरती कहती हैं कि पहले मच्छर और मक्खियों की भरमार रहती थी लेकिन अब सफाई होने के यहाँ गंदगी बहुत कम हो गई है। टायलेट की भी व्यवस्था काफी अच्छी है।

मुस्कान कहती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहाँ की सफाई की तारीफ करते हैं। पहले रिश्तेदारों को बुलाने में शर्म महसूस होती थी, क्योंकि यहाँ काफी गंदगी रहती थी, लेकिन अब यहाँ पर कोई भी आ जाए, हमें कोई दिक्कत नहीं होती है।

असल में देखा जाए तो यमुना की सफाई काफी हद तक छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। दिल्ली अर्बन शेल्टरइंप्रूवमेंट बोर्ड और डीडीए के अनुसार, दिल्ली में करीब 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनमें 3.5 लाख परिवार और 30 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यदि शिवा कैंप जैसा मॉडल हर बस्ती में लागू किया जाए तो यमुना में गिरने वाला अनट्रीटेड सीवेज कम हो सकता है। जल प्रदूषण में भारी गिरावट आ सकती है और यमुना को पुनर्जीवित करने का सपना साकार हो सकता है। क्यों जरूरी है विकेंद्रीकृत मॉडलः दिल्ली की 750 मलिन बस्तियों में से अधिकांश केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ ही नहीं सकतीं क्योंकि वे नदी किनारे, रेलवे लाइन और सरकारी भूमि पर बसी हैं। इन बस्तियों का सीवेज सीधे नालोंके जरिए यमुना में चला जाता है। अगर हर बस्ती में क्योर जैसा डिसेंट्रलाइज्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया जाए, तो प्रतिदिन लगभग 100झ120 टन्न्क सीवेज यमुना में जाने से रोका जा सकता है। यह बड़े प्रयासों की तुलना में सस्ता, तेज और स्थानीय समाधान है।

यमुना को बचाना केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक भागीदारी का मामला है। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद सरकारी योजनाएँ नाकाम रहीं, जबकि एक छोटे से एनजीओ का प्रयोग दिखाता है कि बदलाव संभव है। अब सरकारों को चाहिए कि वह मलिन बस्तियों और अनधिकृत कॉलोनियों में विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट मॉडल लागू करे। एनजीओ को शामिल करते हुए जनभागीदारी सुनिश्चित करे। सीवेज डेटा और ग्राउंड-लेवल मॉनिटरिंग को पारदर्शी बनाया जाए। यमुना खुद को पुनर्जीवित कर सकती है, बस जरूरत है ईमानदार प्रयास की और यह कोविड लॉकडाउन ने साबित कर दिया। अब जरूरत है कि हम प्रदूषण के स्रोतों को रोकें और छोटे-छोटे प्रयासों को बड़े पैमाने पर लागू करें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस्लामिक साम्राज्यवाद के विरुद्ध उठ खड़ी हुई सभ्यता

ईरान आज इस इन्कलाब की अग्रिम चौकी है। दशकों तक जिस इस्लामवादी सत्ता-व्यवस्था ने शरीयत, डर और वैचारिक निगरानी से जिंदगियों को जकड़े रखा, वही आज अपने ही अवाम की जागी हुई चेतना से घिर चुकी है। यह बगावत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी कौम का डीएनए मिटाया नहीं जा सकता।

प्रणय विक्रम सिंह

ईरान में आज जो घट रहा है, वह किसी एक मुल्क की सियासी हलचल नहीं, यह इतिहास की छाती पर उठती हुई एक सभ्यतागत बगावत है। यह उस पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है, जिसे यह समझा दिया गया था कि मजहबी सत्ता ढांचे हमेशा के लिए समाजों की आत्मा पर कब्जा कर सकते हैं। नहीं, जब किसी कौम की तारीख, तहजीब और इंसानी आजादी को कुचला जाता है, तो इन्कलाब लाजिमी हो जाता है।

ईरान आज इस इन्कलाब की अग्रिम चौकी है। दशकों तक जिस इस्लामवादी सत्ता-व्यवस्था ने शरीयत, डर और वैचारिक निगरानी से जिंदगियों को जकड़े रखा, वही आज अपने ही अवाम की जागी हुई चेतना से घिर चुकी है। यह बगावत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी कौम का डीएनए मिटाया नहीं जा सकता। ईरान का डीएनए पर्शिया है। साइरस की सहिष्णुता, जरतुस्त्र की नैतिक ज्वाला और अवेस्ता की रूह हर कोने में समाई है। अरब से आई इस्लामवादी सत्ता-रचना ने इस पहचान पर परदे डाले, प्रतीकों को बदला, स्मृतियों को हाशिए पर धकेला मगर उसे बुझा नहीं सकी। आज वही भूली-बिसरी स्मृति फिर दहक रही है। अफगानिस्तान से लेकर मिस्र और यूरोप तक सवाल गूंज रहा है कि क्या मजहबी पहचान सभ्यतागत पहचान से बड़ी हो सकती है?

इस्लामवादी साम्राज्यवाद ने पर्शिया को ईरान बनाया और इस बदलाव में केवल नाम नहीं बदला, एक सभ्यता को परदे के पीछे धकेल दिया गया। पर्शिया वह धरती थी जहां नैतिकता, सहिष्णुता और मानवीय गरिमा राज्य-दृष्टि का आधार थीं। सत्ता-रूप में उभरी मजहबी विचारधारा ने इस प्राचीन पहचान को पूर्व-इस्लामी कहकर संदिग्ध बनाया। भाषा बदली, प्रतीक बदले, इतिहास की किताबों से स्मृति छीनी गई। आज ईरान की सड़कों पर उठती आग उसी दबाई गई पर्शियन आत्मा की पुकार है कि हम वही हैं जो थे। हमारी रूह को नाम बदल कर मिटाया नहीं जा सकता।

दरअसल, इस्लामी साम्राज्यवाद की बर्बरता उसकी आस्था, उसके सत्ता-रूप में दिखाई देती है। इतिहास गवाह है कि जब 'मजहब' तलवार बनकर सभ्यताओं पर टूटा, तब नगर उजड़े, पुस्तकालय जले, मंदिर-प्रतिमाएं तोड़ी गईं, भाषाएं हाशिये पर डाली गईं और स्त्रियों की देह को नियंत्रण का मैदान बनाया गया। इनके द्वारा विविधता को 'कुफ्र', स्मृति को 'जाहिलियत' और असहमति को 'बगावत' कहकर कुचला गया। इस साम्राज्यवादी विस्तार ने संवाद नहीं, दहशत रची, आस्था नहीं, आज्ञाकारिता मांगी और न्याय नहीं, अधीनता थोपी। इतिहास गवाह है कि 'मजहबी' अंधड़ ने इंसान से उसकी जड़ें, उसकी भाषा, उसकी कला और उसकी गरिमा छीनने की कोशिश की और वहीं से प्रतिरोध की नैतिक जरूरत जन्मी। यहां यह समझना जरूरी है कि इस्लामवाद यानी मजहब का सत्ता-रूप अक्सर सभ्यता से टकराता है। उसकी भाषा द्वैत रचती है 'काफि र' और 'मोमिन', 'दारुल-इस्लाम' और 'दारुल-हरब'। इस दृष्टि में स्थानीय परंपराएं, स्त्री की स्वतंत्रता, कला, स्मृति और विविधता संदेह के घेरे में आ जाती हैं। जहां यह वैचारिक कठोरता सत्ता बनती है, वहां इंसान अपनी जड़ों से काटा जाता है। यह धर्म नहीं विचारधारा का कब्जा है। इसीलिए जब ईरान की बेटियां सरे-आम बुर्का जलाती हैं, तो वे कपड़ा नहीं डर और नियंत्रण को आग लगाती हैं। वस्तुतः यह केवल स्त्री-अधिकार का एलान नहीं, यह उस देह पर थोपे गए मजहबी पहरे के खिलाफ खुली बगावत है। तेहरान की यह लपटें काबुल, कराची और गाजा तक जमीरों को झकझोर रही हैं। और जब शेर और अग्नि वाला पुराना फारसी झंडा फिर से उठता है, तो वह अरब-केंद्रित इस्लामवादी पहचान के विरुद्ध सभ्यता की चुनौती बन जाता है। वह तुर्की, मध्य एशिया और उत्तर अफ्रीका तक फैले समाजों को उनकी-उनकी भूली हुई सभ्यताओं की याद दिला रहा है। यह जंग किसी आस्था से नहीं इस्लामवादी अधिनायकवाद से है। यह ऐलान है कि मजहब निजी है, मगर सभ्यता जनता की। और जब कोई मजहबी सत्ता सभ्यता को निगलने बढ़े, तो रहम नहीं बगावत उसका जवाब होती है। ऐसे में आज ईरान केवल एक देश नहीं, एक दर्पण बन चुका है और दुनिया उसके सामने खड़ी दर्शक। इस दर्पण में हर समाज अपनी शक्ल देख सकता है, कहीं दबाई गई स्मृतियां, कहीं कुचली गई अस्मिताएं, कहीं थोपे गए मजहबी पहरे। सवाल यह नहीं कि ईरान में क्या हो रहा है! सवाल यह है कि दुनिया उस प्रतिबिंब को देखकर क्या करेगी? नजर चुराएगी या सच स्वीकार करेगी। क्योंकि जब कोई सभ्यता अपने भीतर झांक लेती है, तब इतिहास दर्शक नहीं रहता, भागीदार बन जाता है। ईरान की यह आग इसलिए महज तेहरान की नहीं यह वैश्विक जमीर की दहकती मशाल है।

(लेखक, स्तम्भकार हैं।)

साल की पहली बड़ी मौनी अमावस्या की सही तारीख और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व माना जाता है। माघ महीने में पड़ने वाली अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या के नाम से जाना जाता है। साल 2026 की पहली और बड़ी अमावस्या यानी मौनी अमावस्या कब मनाई जाएगी इसकी तिथि को लेकर कई लोग दुविधा में है। इस लेख हम आपकी सही तिथि और शुभ मुहूर्त के बारे में बताएंगे। हिदूं धर्म में स्नान, दान, मौन, व्रत, साधना और तर्पण आदि के लिए माघ मास की अमावस्या को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अमावस्या पर गंगा जैसी पवित्र नदियों का जल अमृत के समान हो जाता है जिसमें स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और व्यक्ति के मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन पितरों का तर्पण और पिडदान किया जाता है। इसके साथ ही दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कब इस साल 2026 की सबसे बड़ी अमावस्या, मौनी अमावस्या।

मौनी अमावस्या 2026 कब है?

हिंदू पंचांग के अनुसार मौनी अमावस्या की तिथि 18 जनवरी 2026, रविवार को दोपहर 12:03 बजे से प्रारंभ होगी। यह अमावस्या 19 जनवरी 2026 सोमवार को दोपहर 1:21 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, स्नान और दान के लिए मुख्य रुप से व्रत 19 जनवरी, सोमवार को करना शुभ रहेगा, लेकिन पितृ कार्य के लिए 18 जनवरी की दोपहर का समय भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मौनी अमावस्या स्नान-दान मुहूर्त

पंचांग की मान्यता के अनुसार अमावस्या पर स्नान और दान का महत्व उदया तिथि के आधार पर तय किया जाता है। इसी कारण मौनी अमावस्या का स्नान-दान 19 जनवरी को सुबह 5 बजकर 27 मिनट से शुरू होकर सुबह 7 बजकर 14 मिनट तक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आप सुबह के समय स्नान-दान नहीं कर पाएं तो शाम को 5 बजकर 40 मिनट से 7 बजकर 11 मिनट तक मध्य में भी स्नान-दान संपन्न कर सकते हैं। यह मुहूर्त भी व्यक्ति को अमृत फल देगा।

मौनी अमावस्या 2026 पितृ पूजा मुहूर्त

धार्मिक शास्त्रों में अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। पितृ पूजा के लिए दोपहर का समय 'कुतप काल' सबसे बेस्ट माना जाता है। ऐसे में 18 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 21 मिनट से दोपहर 1 बजकर 52 मिनट का मुहूर्त पितृ पूजा के लिए श्रेष्ठ है। इसके अलावा, अमावस्या के स्नान-दान के बाद जो लोग पितृ पूजा करते हैं उनके लिए 19 जनवरी को पितृ पूजा का मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 10 मिनट से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। इस दिन पितृ पूजा से पितृ दोष दूर होता है।

टिप्स

माथे, कनपटी या पिछला हिस्सा, जानें सिर का कौन सा दर्द है सबसे खतरनाक

अक्सर कई लोग सिरदर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। यह एक ऐसी समस्या है जिसे लोग थकान और नींद की कमी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। कई लोग तो तेज सिरदर्द के दौरान पेन किलर खाना शुरू कर देते हैं। कभी आपने ध्यान दिया है कि सिर के किस हिस्से में दर्द हो रहा है। गौरतलब है कि सिर में अलग-अलग हिस्से में दर्द होने के अलग मायने होते हैं। कुछ मामलों में यह आपके शरीर के भीतर की किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट मानते हैं कि सिरदर्द के अलग-अलग प्रकार और उनकी जगह के पीछे अलग-अलग कारण छिपे होते हैं।

कई बार माथे में दर्द अक्सर तनाव या साइनस से संबंधित होता है, जबकि सिर के पिछले हिस्से का दर्द हाई ब्लड प्रेशर या गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव का इशारा करता है। कई बार माइग्रेन जैसे दर्द में सिर का सिर्फ एक हिस्सा को ही प्रभावित करते हैं। इन संकेतों को समझना इसलिए जरुरी है क्योंकि एक साधारण दिखने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक या गंभीर संक्रमण का शुरूआती लक्षण भी हो सकता है। दर्द की जगह और उसकी तीव्रता को पहचान कर सही समय पर डॉक्टर से सलाह लेना ही भविष्य की गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से बचने का एकमात्र सॉल्यूशन है।

माथे के चारों ओर का दर्द का मतलब : तनाव सिरदर्द सबसे आम प्रकार है, जिसमें ऐसा फील होता है जैसे माथे के चारों ओर एक टाइट बैंड बांध दिया गया हो। इस तरह का दर्द आमतौर पर माथे और कनपटियों में शुरू होता है। इसके पीछे के मुख्य कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर जोर या गर्दन की मांसपेशियों में जकड़न होती है। इसका दर्द धीमा लेकिन स्थिर होता है और आमतौर पर आराम या रिलैक्सेशन तकनीकों से ठीक हो जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पहले की सरकार मनरेगा के नाम पर गरीबों का हक छीना है : गौतम

साहिबगंज : शहर के उत्सव वेंकट हॉल में भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव कीअध्यक्षता में विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी ग्रामीण बी जी राम जी को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसका मुख्य अतिथि महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत मौजूद थे।जबकि मंच का संचालन इस योजना के संयोजक भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष राजेश कुमार मंडल ने किया।पूर्व विधायक अशोक कुमार भगत ने इस योजना के अभी कार्यकता को विस्तार पूर्वक बताया और ये योजना हर मंडल में हर हर तक पहुंचाने का आग्रह किया।यह अभियान से यह तक कि जाए कि यह योजना जनता के हित में है। पहले की योजना मनरेगा था अब ये नाम बी जी राम हो गया है जो इसमें पहले 100 दिन के काम की गारंटी थी पर अब ये योजना 125 दी हो गई है पहले की सरकार मनरेगा के नाम पर गरीबों का हक छीना है और सरकार नरेंद्र मोदी जी हर गरीब की चिंता कर रहे है। वही जिला अध्यक्ष श्री गौतम कुमार यादव ने कहा कि पहले की सरकार और ये इंडी ठगबंधन की सरकार इस योजना का विरोध इस लिए कर रहे है कि जनता इनकी असली चेहरा जान जाएं आज की केंद्र सरकार नरेंद्र मोदी जी के अगवाई में देश को विकसित करने की है। और गरीबों के हित की बात करते है धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष चंद्रभान शर्मा ने किया।मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,राजेश कुमार मंडल, धर्मेंद्र कुमार उज्जवल मंडल,रणधीर सिंह,कृष्णा महतो गरिमा साह,चांदनी देवी,मनोज यादव,धर्मेंद्र मंडल,श्यामल दास,जितेंद्र सिंह,सूरज चौधरी,सह संयोजक अनुराग राहुल,चंद्रभान शर्मा,कमल महावर,अरविंद सिन्हा सभी मंडल अध्यक्ष कुणाल मंडल,राजकुमार भगत, चंदन श्रीवास्तव,कैलाश साह,और मंडल की टोली उपस्थित रहे।

दो ऑटो के आमने-सामने टक्कर से दोनों चालक घायल रेफर

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र के बरहेट-बोरियो मुख्य पथ स्तिथ हाई स्कूल रोड गैस गोदाम के समीप दो ऑटो आमने-सामने की टक्कर हो गई।इस घटना से दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार ऑटो चालक सालखो मरांडी 35 बरहेट हाट से अपने घर गिलहा जा रहा था वहीँ विपरित दिशा से ऑटो चालक गोड्डा जिला के महागामा निवासी परवीन बरहर 28 ऑटो लेकर परिवार के साथ अपना ससुराल पतना जा रहा था।वहीँ आमने सामने की टक्कर से दोनों चालक घायल हो गए।हालांकि गिलहा जाने वाली ऑटो में कोई पैसेंजर नहीं था।जबकि दूसरी ऑटो में चालक परिवार के कुछ सदस्य थे जिसको कोई हताहत नहीं है।वहीँ घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचाया गया।घटना की सूचना मिलते ही झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, सचिव मुजीबुर रहमान,सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेम्ब्रम,जिला संगठन सचिव छवि हेम्ब्रम,झामुमो प्रखंड कोषाध्यक्ष गुंजन सिंघानिया,उपप्रमुख रुपक साह,समसुल अंसारी,समदा सोरेन,अमजद अंसारी फिरोज अंसारी घायल का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे और हर सम्भव इलाज में मदद किये।उक्त दोनों घायलों को डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया ' इस घटना में महागामा निवासी परवीन बरहर का दांयी पैर टूट गया।जिसका बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।इधर बरहेट थाना पुलिस एएसआई अशोक सिंह घटना स्थल पहुंचकर मामले की छानबीन मे जुट गई है '

आर्थिक संकट के बावजूद रवि वर्मा ने अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी : कल्याण

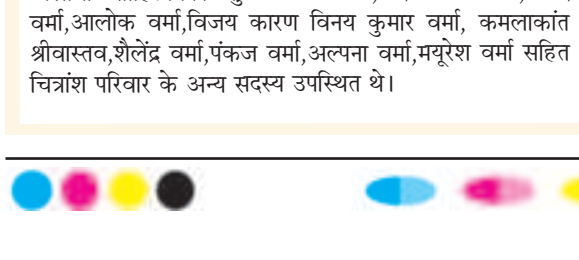

साहिबगंज : जिले के चित्रांश समाज के सदस्य रवि वर्मा का पुत्र अविनाश वर्मा ने यूपीएससी इसीई मैं छठ स्थान प्राप्त कर चित्रांश समाज सहित साहिबगंज जिले को गौरवान्वित किया है।अविनाश वर्मा कि यह सफलता इस बात का परिचायक है के इच्छा शक्ति के आगे आर्थिक और सामाजिक स्थिति मायने नहीं रखती है। उक्त बातें चित्रगुप्त मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष कल्याण प्रसाद श्रीवास्तव ने कही।शुक्रवार को चित्रगुप्त मंदिर परिसर में अविनाश वर्मा के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कल्याण श्रीवास्तव ने कहा कि अविनाश वर्मा के पिता रवि वर्मा काफी संघर्षशील व्यक्ति रहे हैं।आर्थिक रूप से संपन्न नहीं होने के बावजूद रवि वर्मा ने अपने बच्चों की पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी।उन्होंने कहा कि उनके बच्चों ने भी माता-पिता के संघर्ष को देखते हुए अपने परिश्रम के बल पर इंजीनियरिंग सेवा की सर्वोच्च परीक्षा में देश भर में छठे स्थान पा कर अपने माता-पिता को भी बेहतरीन उपहार भेंट किया है।इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चित्रगुप्त न्यास परिषद के सदस्य और साहित्यकार गोपाल श्रीवास्तव ने कहा कि अगर लक्ष्य निर्धारित हो और मन में दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो मंजिल स्वतः प्राप्त की जा सकती है।रवि वर्मा ने भी अपने पुत्र के इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी।इस मौके पर मंदिर न्यास परिषद के सदस्य कल्याण श्रीवास्तव के अलावा साहित्यकार सुधीर श्रीवास्तव,चंदन श्रीवास्तव,प्रमोद वर्मा,आलोक वर्मा,विजय कारण विनय कुमार वर्मा, कमलाकांत श्रीवास्तव,शैलेंद्र वर्मा,पंकज वर्मा,अल्पना वर्मा,मयूरेश वर्मा सहित चित्रांश परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बाल विवाह एवं डायन प्रथा दोनों कुरीतियां आज भी समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है : नलिन सोरेन

संवाददाता

दुमका : निदेशालय समाज कल्याण (झारखंड महिला विकास समिति) के तत्वावधान में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा कोवेंशन सेंटर, दुमका में शुक्रवार को सामाजिक कुरीति निवारण, राज्य सरकार की योजनाएँ एवं बाल विवाह मुक्त झारखंड विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों–विशेषकर बाल विवाह एवं डायन प्रथा जैसी अमानवीय प्रथाओं के उन्मूलन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा महिलाओं एवं किशोरियों के सशक्तिकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुँचाना रहा।

कार्यशाला में यह स्पष्ट किया गया कि बाल विवाह एक संज्ञेय एवं गैर-जमानती अपराध है, जिसके लिए कानून में कठोर दंड का प्रावधान है। किसी भी संदिग्ध स्थिति में महिला हेल्पलाइन-181, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 एवं पुलिस हेल्पलाइन-112 पर तत्काल सूचना देने की अपील की गई।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, राज्य विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना, सामाजिक कुरीति निवारण योजना एवं मिशन शक्ति योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दुमका लोकसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद नलिन सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि आज का विषय समाज की उन गहरी जड़ें जमाए कुरीतियों से जुड़ा है, जो सामाजिक विकास में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई हैं। उन्होंने विशेष रूप से बाल विवाह एवं डायन प्रथा का उल्लेख करते हुए कहा कि ये दोनों कुरीतियाँ आज भी समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं और इनका उन्मूलन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कम उम्र में बच्चियों की शादी कर दी जाती है, जिससे उनका शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास बाधित होता है। कम उम्र में विवाह होने से बच्चियों को अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। यह न केवल उनके भविष्य को प्रभावित करता है, बल्कि समाज की प्रगति को भी अवरुद्ध करता है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम केवल जिला स्तर तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि पूरे देश में आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ, तो बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें, सही उम्र में विवाह के लिए प्रेरित करें तथा डायन प्रथा जैसी अमानवीय कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएँ। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता को सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन का सबसे सशक्त माध्यम बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जामा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक डॉ. लुईस मरांडी ने कहा कि दैनिक जीवन में आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथाएँ देखने को मिलती हैं। सरकार ने इसके विरुद्ध सख्त कानून बनाए हैं, लेकिन उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किशोरी बच्चियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से परिपक्व होने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकें। इसके लिए अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए समाज, प्रशासन और सरकार के बीच समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी से सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में बाल विवाह की रोकथाम एक महत्वपूर्ण विषय है। केवल कानून के सहारे इस कुप्रथा को समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी और शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बेहतर है, वहां बाल विवाह की घटनाएं स्वतः कम हो जाती हैं। समाज यदि सामूहिक रूप से बाल विवाह को अस्वीकार कर दे, तो यह समस्या स्वतः समाप्त हो सकती है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद् अध्यक्षा जॉयस बेसराने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि जब महिला सशक्त होगी, तभी झारखंड सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि छोटी उम्र में बच्चियों की शादी कर देना उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य–तीनों के लिए गंभीर नुकसानदायक है। इससे कुपोषण, मातृ स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ एवं मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे कानून द्वारा निर्धारित सही उम्र में ही अपने बच्चों की शादी करें तथा बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता, शिक्षा और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से ही बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन संभव है।

इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा सांसद श्री सोरेन ने उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण की शपथ भी दिलाई।

इस दौरान बाल विवाह को रोकने के दिशा में कार्य करने वाले हीरामनि टुडू सेविका विजयबांध, बसंती मुर्मू मुखिया,पंचायत-नाचनगढ़िया एवं कमीशन सोरेन,मुखिया,पंचायत-भूटकोडिया को सम्मानित किया गया।

इस दौरान सामाजिक कुरीति निवारण से संबंधित जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

बाल विवाह को रोकने और कम्युनिटी आधारित बाल संरक्षण सिस्टम को मजबूत करने के लिए, जिला बाल संरक्षण इकाई के रिसोर्स पर्सन प्रेम कुमार, अमर जोशी ने ज़िला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक बाल कल्याण और संरक्षण समिति के गठन, कार्य एवं दायित्व पर विस्तार से चर्चा की। दुमका में बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए स्थायी और उप-स्थायी समितियों की भूमिका पर जोर दिया गया।

डीडीसी व डीएसओ ने खिलाड़ियों से प्राप्त किया परिचय दी शुभकामनाएं

संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में शुक्रवार से सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर जिला क्रिकेट लीग कम नॉकआउट टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्यतिथि डीडीसी सतीश चंद्रा व विशिष्ठ अतिथि डीएसई सह डीएसओ कुमार हर्ष ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बल्लेबाजी कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच यंग स्टार क्रिकेट क्लब बनाम माही ब्ल्यू स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। डीडीसी व डीएसओ ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें शुभकामना दी। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, मछुआ सोसाइटी अध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रो कमल महावर, डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी, राकेश गुप्ता, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा व टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, मो हयात, श्याम रंजन, मो तारिक, मो अनाउल्लाह, रवि पोलार्ड सहित अन्य मौजूद थे।माही ब्लू ने 134 रन से जीता उद्घाटन मैच

जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के उद्घाटन मैच में यंग स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। माही ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 9 विकेट पर 216 रन बनाया। हसीबुल इस्लाम ने 38, मयंक राज ने 37, ऋषभ राज ने 20, राकेश कुमार ने 58 रन की पारी खेली। यंग स्टार क्रिकेट क्लब ने मो मुशर्रफ ने 2 व रोहित रमानी ने 4 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 82 रन बना कर ऑल आउट हो गई। रोहित रमानी ने 28, शुभोजीत घोष में 14 रन की पारी खेली। माही ब्लू के गेंदबाज ऋषभ राज ने 5 व राकेश कुमार ने 2 विकेट लिए। माही ब्लू ने 134 रन से जीत हासिल की। माही ब्लू के खिलाड़ी ऋषभ राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने ऋषभ राज को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग अशफाक आलम व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह ने किया।टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि 17 जनवरी शनिवार को सुबह 9 बजे से राजमहल ए बनाम पोखरिया पैंथर क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाएं और पुण्य के भागीदार बनें : तिवारी

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के महाराजपुर स्थित गंगा तट रेलवे स्टेशन से पूर्व पर महाशिवरात्रि मोती झरना मेला के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले श्री श्री 108 महारुद्र यज्ञ एवं श्रीमद्ध भागवत कथा की तैयारियों जोरों पर हैं।इसी कड़ी में यज्ञ समिति द्वमा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।यज्ञः पूजन के मुख्य आचार्य श्री मुरारी लाल पाण्डेय के सानिध्य में भूमि पूजन किया गया।आयोजन समिति ने बताया कि इस वर्ष यह महायज्ञ अपनी स्थापना के 18 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।जो क्षेत्र की सुख-समृद्धि और विश्वशांति के संकल्प के साथ आयोजित किया जा रहा है।इस वर्ष के आयोजन का मुख्य आकर्षण श्रीमद् भागवत कथा होगी,जिसका रसास्वादन अयोध्या धाम से पधारी प्रसिद्ध कथावाचिका रूपरम पूज्य देवी राजनंदिनी तिवारी कराएंगी। भागवत कथा का शुभारंभ 11 फरवरी 2026 से 17 फरवरी तक चलेगा।जो प्रतिदिन संध्या 07:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक चलेगी।कार्यक्रम कि जानकारी देते हुए यज्ञ समिति के उपाध्यक्ष बिरजू महतो ने बताया कि 11 फरवरी से 17 फरवरी तक कई कार्यक्रम होगा।यज्ञ समिति के अध्यक्ष संजीव महतो ने महाराजपुर ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे तन-मन-धन से सहयोग देकर इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाएं और पुण्य के भागीदार बनें।गंगा तट पर स्थित इस पावन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है,जिसे देखते हुए समिति द्वारा सुरक्षा और सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।भूमि पूजन कार्यक्रम मे मुन्ना यादव,पंकज गुप्ता,केदार साह, बिरजू महतो, नरेश महतो,जयप्रकाश भगत, प्रदीप शाह, कृष्णा चौरसिया, संजय शाह सहित कई श्रद्धालु गण मौजूद थे।

तेज रफ्तार बाइक सवार ने महिला को रौंदा

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्रअतर्गत माहादेवगंज चौक के पास तेज रफ़्तार बुलेट बाइक सवार युवक ने एक महिला को रौंदा महिला की हालत नाजुक शुक्रवार लगभग 5 बजे शाम को महादेवगंज मुस्लिम टोला के एक युवक जो बुलेट बाइक बहुत तेज गति से चला रहा था।राह चलती महादेवगंज की महिला को बाइक से रौंद दिया मौके पर ग्रामीणों ने बाइक सवार को पकड़ा वही चौक पर मुफस्सिल की कुछ पुलिस बल चाय पी रहे थे। मौके पर युवक को पकड़ अपने साथ थाना ले गई और इधर ग्रामीणों के सहयोग से घायल महिला को प्रथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया महिला की हालत नाजुक बनीं हुई है।

छात्रों को प्रमुख ने किया सम्मानित

हरिहरगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना के कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में चयनित पिपरा प्रखंड के बरवाडीह गांव के हाईस्कूल में शुक्रवार को शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख विक्रांत सिंह यादव ने स्कूल के हेडमास्टर राकेश रंजन पिंकू के साथ किया। प्रमुख ने पढ़ाई में बेहतर करने वाले छात्र, छात्राओं एवं बेहतर अभिभावकों एवं शिक्षकों को मेडल देकर सम्मानित किया।

मकर संक्रांति से आपसी भाईचारे का संदेश समाज में जाता है : बजरंगी

संवाददाता

साहिबगंज : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी साहिबगंज के चौक बाजार स्थित अयोध्या धाम में भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री सह समाजसेवी बजरंगी प्रसाद यादव की ओर से किया गया।इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा, झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,झामुमो जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव,झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी,भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव,भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल,रणधीर सिंह,डॉ.विजय कुमार,डॉ.सुमित कुमार,पंकज घोष, बास्की यादव,दारा सिंह यादव,मुन्ना यादव,चंदन यादव,कृष्णा शर्मा,मो कलीमुद्दीन अफताफ आलम,डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी, ललन सिंह,महिला जिला अध्यक्ष गरिमा साह,जय प्रकाश सिन्हा,ब्रह्माकुमारी बिंदु दीदी,सामाजिक कार्यकर्ता चंदेश्वर प्रसाद सिंह उर्फ बोदी सिन्हा सहित साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, देवघर और दुमका जिले से बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक,सामाजिक और बौद्धिक जगत से जुड़े कई लोग शामिल हुए।वही आयोजन में पहुंचे सभी अतिथियों को बजरंगी प्रसाद यादव द्वारा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।वहीं मौके पर बजरंगी प्रसाद यादव के पिता स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय अर्जुन यादव की आठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर सभी अतिथियों समेत क्षेत्रवासियों ने उनके तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिये।कार्यक्रम मे भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री सह समाजसेवी बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि मकर संक्रांति मिलन समारोह हर वर्ष दलगत भावना से ऊपर उठकर आयोजित किया जाता है।उन्होंने बताया कि इस आयोजन में न केवल संथाल परगना बल्कि रांची सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग पहुंचते हैं।लोग एक-दूसरे से मिलते हैं शुभकामनाएं देते हैं और आपसी भाईचारे का संदेश समाज में जाता है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सौहार्द को मजबूत करते हैं।इसी उद्देश्य से इस वर्ष भी मिलन समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें शहर के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने जिलेवासियों, राज्यवासियों और देशवासियों को नववर्ष,मकर संक्रांति,सरस्वती पूजा और आगामी होली की शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि सभी लोग स्वस्थ रहें और साहिबगंज जिला विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए नई ऊंचाइयों को छुए,यही उनकी कामना है।

करण जौहर ने कैसे घटाया वजन? कभी 'मोटा' कहकर बुलाती थीं मां

हाल ही में करण जौहर ने अपने वजन घटाने के सफर पर चर्चा की और अपनी फैट लॉस जर्नी के बारे में खुलकर बात की। और यह भी बताया कि उनकी लाइफ में एक समय ऐसा था जब करण

की मां उन्हें मोटा कहा करती थीं। फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने पिछले साल अपना वजन बहुत कम करके सबको हैरान कर दिया था। लेकिन लोगों ने अफवाहें फैलाईं कि उन्होंने इसके लिए ओजेम्पिक जैसी दवा ली है। हाल ही में करण ने बताया कि उन्होंने वजन असल में कैसे घटाया। साथ ही उन्होंने एक पुरानी घटना भी याद की, जब डाइटिंग की वजह से वे बेहोश हो गए थे। करण ने बताया कि उनकी मां उन्हें बचपन में बहुत मोटा कहकर टोकती रहती थीं। उनके पापा को लगता था कि उनका मोटापा बस थोड़े समय का है और वे बहुत हैंडसम हैं। लेकिन मां कहती थीं, 'नहीं, तुम बहुत मोटे हो, हीरो नहीं बन सकते। हाल ही में आदर जैन और अलेखा के साथ 'मन्यवर शादी शो' में बातचीत करते हुए करण ने बताया कि उन्होंने वजन असल में कैसे घटाया। करण ने कॉलेज में पहली बार वजन कम करने का सोचा। वहां पहुंचते ही उन्हें लगा कि सब उनसे ज्यादा पतले हैं, जिससे उन्हें बहुत झटका लगा।

साक्षी तंवर कई पुश्तों के लिए कमा चुकीं पैसे!

साक्षी तंवर टेलीविजन की सबसे अमीर एक्ट्रेस हैं और ये बात कम ही लोगों को पता है क्योंकि वो बहुत आम सी लाइफस्टाइल मेंटेन करती हैं। साक्षी ने टीवी के कई हिट शोज में काम किया है और अब वो ज्यादातर ओटीटी और फिल्मों में ही नजर आती हैं। साक्षी तंवर की नेट वर्थ आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। साक्षी तंवर टेलीविजन की सबसे फेमस हस्तियों में से एक हैं। उन्होंने 1998 में दूरदर्शन के कार्यक्रम 'अलबेला सुर मेला' में प्रस्तोता के रूप में अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत की। उन्हें पहचान 'कहानी घर घर की' सीरियल से मिली, जिसमें उन्होंने एक आदर्श बहू का किरदार निभाया, जो अपने परिवार को एकजुट रखती थी। यह सीरियल आठ साल तक चला और दर्शकों के बीच उनकी पहचान पक्की हो गई। एक्ट्रेस 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'दास्तान-ए-इश्क', 'एक मुट्ठी आसमान', 'ढूंढ लेगी मंजिल हमें' और 'देवी' जैसे कई हिट टेलीविजन शो में लीड रोल कर चुकी हैं। अपने टेलीविजन करियर के चरम पर साक्षी लगातार सबसे अधिक कमाई करने वाली टेलीविजन एक्ट्रेसेस में शुमार थीं। खबरों के अनुसार, टेलीविजन प्रोजेक्ट्स के लिए उन्हें हर एपिसोड के लगभग 1.25 लाख रुपये मिलते थे।

फोर्ब्स सेलिब्रिटी 100 लिस्ट में जगह

2012 में, उन्हें आधिकारिक तौर पर तब मान्यता मिली जब वह फोर्ब्स इंडिया सेलिब्रिटी 100 लिस्ट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने 34.5 मिलियन रुपये की अनुमानित सालाना आय के साथ 93वीं जगह हासिल की।

मैं किसी की बदतमीजी नहीं सहूंगा'

• ट्रोलर्स पर फूटा अमाल मलिक का गुस्सा

'बिग बॉस 19' के फिनाले के बाद भी हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। घर के अंदर की छोटी-छोटी बातें और बयान अब सोशल मीडिया पर बड़े विवाद का कारण बन गए हैं। इस बार विवाद गायक और संगीतकार अमाल मलिक को लेकर है, जो शो के टॉप 5 फाइनलिस्ट में शामिल थे। घर के अंदर उन्होंने तान्या मित्तल के लिए अपशब्द का इस्तेमाल किया था, जिस पर दर्शकों और फैंस ने आपत्ति जताई। हालांकि शो खत्म होने के बाद भी यह मामला सोशल मीडिया पर लगातार गरमा रहा है और फैंस ने उनसे सार्वजनिक माफी की मांग शुरू कर दी। विवाद तब और बढ़ गया जब अमाल के मैनेजर ने पोस्ट किया और लोगों से अपील की कि वे अमाल के परिवार और दोस्तों को इस मामले में न घसीटें। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और तान्या के समर्थकों ने इसे गंभीरता से लिया। उन्होंने अमाल से माफी मांगने को कहा। इस पूरे विवाद के बीच अमाल मलिक ने खुद अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने कहा, 'मैं पहले ही अपनी सभी गलतियों के लिए माफी मांग चुका हूं, चाहे वह तान्या मित्तल के लिए हो या शो में शामिल अन्य कंटेस्टेंट्स के लिए। शो से बाहर आने के बाद मेरा पहला पोस्ट तान्या के लिए ही था।

'न बच्चन हूं, न कपूर'

अमिताभ के नाती अगस्त्य नंदा ने ऐसा क्यों कहा?

अगस्त्य नंदा इस मामले में खुशकिस्मत साबित हुए कि पहली ही फिल्म में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर किया. खुद अमिताभ बच्चन को यह मौका इंडस्ट्री में आने के कई सालों के बाद सीधे शोले में मिला था. लेकिन एक बड़े डेब्यू के बाद अगस्त्य की असली चुनौती अब शुरू होगी.

धर्मेंद्र के साथ इक्कीस जैसी वॉर मूवी करने वाले अगस्त्य नंदा की पहचान अमिताभ बच्चन के नाती के तौर की जाती है. यह स्वाभाविक भी है. लेकिन कुछ मोर्चे पर उन्होंने अपने फिल्मी करियर के लिए चुनौती बढ़ा ली. खुद को बच्चन और कपूर की विरासत से अलग किया वहीं इक्कीस के बाद वह किस तरह की फिल्म करेंगे, किस तरह के रोल में दर्शक उनको स्वीकार करेंगे- यह सवालों में है. अगस्त्य की आगामी फिल्म की औपचारिक घोषणा नही हुई है. जाहिर है विषय का चुनाव हो रहा

होगा, नया प्लॉट खोजा जा रहा होगा. क्योंकि इक्कीस साल के शहीद अरुण खेत्रपाल के किरदार को अगस्त्य ने जिस खूबी के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है, तो अपेक्षा यही हो जाती है कि उनकी अगली फिल्म की कहानी भी इसी स्तर की हो या इससे बेहतर हो.

गौरतलब है कि धुरंधर की आंधी के बीच इक्कीस का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बहुत बेहतर नहीं रहा. लेकिन अगस्त्य के लिए पॉजीटिव बात ये है कि इक्कीस में उनके अभिनय की सभी ने प्रशंसा की है. अगस्त्य के फिल्मी करियर को दर्शकों ने एक प्रकार से हरी झंडी दिखा दी है और बेहतर भविष्य की संभावना को भी महसूस किया. श्रीराम राघवन का निर्देशन, धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत का अभिनय लोगों को काफी पसंद आया है. लेकिन तमाम प्रशंसाओं के बावजूद इस किरदार को निभाकर अगस्त्य ने आगे के लिए अपनी राह भी कठिन कर ली. अगस्त्य को अब वॉर मूवी जॉनर से बाहर निकलकर अलग भूमिका करके खुद को साबित करना होगा और फैन्स का प्यार बटोरना होगा.

पहली ही फिल्म से एक्सपोजर

इस उम्र में ज्यादातर स्टार किड एक्टर रोमांटिक रोल में डेब्यू करते हैं. ऋषि कपूर, कुमार गौरव, संजय दत्त, ऋतिक रोशन, रणबीर कपूर आदि ने इसी परंपरा को निभाया है. लेकिन अगस्त्य ने अलग राह पकड़ी.शहीद अरुण खेत्रपाल जैसे भारी-भरकम किरदार को निभाना आसान नहीं था. लेकिन अगस्त्य ने इसे सफलतापूर्वक निभा लिया और प्रसिद्धि भी पा ली. गौर करें तो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों की शोहरत प्रसिद्धि का अपना सलीका है. शहीद अरुण खेत्रपाल का किरदार कोई भी कलाकार निभाता तो उसे चर्चा मिलती.

सलमान के जिगरी यार को डेट कर रहीं माही

• माही विज ने नदीम के लिए लिखा था पोस्ट • 6 दिन पहले ही जय से अलग हुई हैं माही विज • माही विज के दोस्त का सलमान से है गहरा नाता

टीवी के पॉपुलर एक्स कपल माही विज और जय भानुशाली का तलाक हो गया है। 6 दिन पहले एक्टर ने अनाउंस किया है कि वह और माही ने अलग होने का फैसला किया है। अब माही का नाम नदीम के साथ जुड़ रहा है जिन्हें एक्ट्रेस ने अपना बेस्ट फ्रेंड और परिवार बताया है। साथ ही जय और माही की बेटी तारा उन्हें 'अब्बा' बुलाती हैं। माही विज ने नदीम के जन्मदिन पर एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि नदीम को उन्होंने बाय चांस नहीं बल्कि दिल से चुना है। माही ने उनको अपना सुकून, ताकत और घर बताया। यही नहीं, उन्होंने कहा कि चाहे दोनों जितना भी झगड़ा करें, आखिर में उनकी चुप्पी एक-दूसरे पर खत्म होती है। दोनों की आत्माएं इस तरह जुड़ी हैं कि उसे कोई नहीं समझ सकता है। आखिर में उन्होंने नदीम को कहा कि वह उनसे बहुत प्यार करती हैं। माही विज का नदीम के लिए शेयर किया गया ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। लोग जानना चाहते हैं कि आखिर नदीम कौन हैं और क्या करते हैं।

कौन हैं नदीम कुरैशी?

नदीम का पूरा नाम नदीम कुरैशी है जो टीवी इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। सबसे खास बात यह है कि नदीम का सलमान खान के साथ भी गहरा नाता है। वह सलमान के सबसे गहरे और पुराने यार हैं जिनके साथ उन्होंने काम भी किया है। नदीम, सलमान के टीवी प्रोडक्शन हाउस SK TV के सीईओ रह चुके हैं। इसके बैनर तले द कपिल शर्मा शो को प्रोड्यूस किया गया था।

नस्लभेदी टिप्पणी मामले में लिवरपूल की गोलकीपर पर एफए ने लगाया छह मैचों का प्रतिबंध

लंदन : इंग्लैंड फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने नस्लभेदी टिप्पणी के मामले में लिवरपूल की गोलकीपर राफाएला बॉर्गग्राफे पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। लिवरपूल के कोच गैरेथ टेलर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि खिलाड़ी अपने प्रतिबंध के पांच मैच पहले ही भुगत चुकी हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर में एफए ने बॉर्गग्राफे के खिलाफ जांच शुरू की थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपनी ही टीम की एक खिलाड़ी के खिलाफ आपत्तिजनक और भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया था। हालांकि, उस खिलाड़ी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई। गैरेथ टेलर ने टॉटनहैम हॉटस्पर के खिलाफ रविवार को होने वाले विमेंस सुपर लीग (हरछ) मुकाबले से पहले पत्रकारों से कहा, इस मामले में अब एक अपडेट है। एफए ने अपनी विस्तृत जांच पूरी कर ली है और खिलाड़ी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध उस दौरान लागू रहा जब हम मुकाबले खेल रहे थे, इसलिए वह इस सप्ताहांत चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। इसके बाद वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी ॠ उन्होंने आगे कहा, ॠहम खुश हैं कि अब यह मामला पूरा हो गया है। अब हमारे पास पूरी स्पष्टता है और हम सभी इस प्रकरण से आगे बढ़ सकते हैं। 25 वर्षीय राफाएला बॉर्गग्राफे जुलाई में लिवरपूल से जुड़ी थीं और अब तक विमेंस सुपर लीग में टीम के लिए तीन मुकाबले खेल चुकी हैं। फिलहाल लिवरपूल की टीम लीग तालिका में निचले पायदान पर है।

फॉर्मूला 1: 2026 सीजन में फेरारी के साथ लुईस हैमिल्टन को मिलेंगे नए रेस इंजीनियर

एजेंसी

लंदन : सात बार के फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन को 2026 सीजन में फेरारी के साथ एक नए रेस इंजीनियर के साथ काम करना होगा। फेरारी ने शुक्रवार को घोषणा की कि रिकार्डो अदामी को उनकी मौजूदा भूमिका से हटाकर एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फेरारी के बयान के अनुसार, रिकार्डो अदामी अब टीम के ड्राइवर अकादमी और पिछले कार परीक्षण कार्यक्रम (टेस्टिंग ऑफ प्रिवियस कार्स प्रोग्राम) का प्रबंधन करेंगे। टीम ने स्पष्ट किया कि हैमिल्टन के नए रेस

इंजीनियर की घोषणा समय आने पर की जाएगी। पिछले सीजन में फेरारी के साथ अपने पहले वर्ष में हैमिल्टन और अदामी के बीच रेडियो पर हुई तीखी बातचीत को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आई थीं। हालांकि, हैमिल्टन ने इन अटकलों को खारिज करते हुए इसे ॠसहज शोरॠ बताया था। हैमिल्टन ने मई 2025 में कहा था, क्या हमारे बीच मतभेद होते हैं? हां, जैसे हर रिश्ते में होते हैं। लेकिन हम उन्हें सुलझा लेते हैं। हम दोनों एक ही लक्ष्य के लिए साथ हैं। इसके बावजूद, सीजन के अंत तक दोनों के बीच रेडियो पर असहज संवाद जारी रहे। 41 वर्षीय हैमिल्टन के लिए यह सीजन उनके करियर का सबसे निराशाजनक रहा, क्योंकि वह पूरे सत्र में एक भी बार पोडियम पर जगह नहीं बना सके। वहीं, उनके साथी ड्राइवर चार्ल्स लेक्लेर ने पोडियम फिनिश दर्ज की। गौरतलब है कि रिकार्डो अदामी इससे पहले चार बार के विश्व चैंपियन सेबास्टियन फेटेल और स्पेन के कार्लोस सैंज के साथ भी फेरारी में काम कर चुके हैं। वह पिछले 11 वर्षों से मारानेलो स्थित टीम का हिस्सा रहे हैं। फेरारी अगले सप्ताह अपनी नई कार की लिवरी लॉन्च करने जा रही है। इसके बाद सभी 11 टीमें 26 से 30 जनवरी के बीच बार्सिलोना में बंद दरवाजों के पीछे प्री-सीजन टेस्टिंग में हिस्सा लेंगी। फॉर्मूला 1 का 24 रेसों का 2026 सीजन 8 मार्च को ऑस्ट्रेलिया ग्रां प्री से शुरू होगा। इस सीजन के साथ ही खेल एक नए इंजन युग में प्रवेश करेगा, जिसमें तकनीकी नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं।

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक को 7 साल पूरे, कभी फिल्म को रिजेक्ट करना चाहते थे विक्की कौशल

विक्की कौशल के करियर का टर्निंग पॉइंट रही 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' सिर्फ अभिनेता या डायरेक्टर के लिए ही खास नहीं रही, बल्कि इस फिल्म ने देशभक्ति से भरी फिल्मों को नया विजन भी दिया। फिल्म सत्य घटना पर आधारित थी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्क्रिप्ट सुनने के बाद विक्की ने फिल्म को रिजेक्ट करने का मन बना लिया था, लेकिन अपने पिता के कहने पर फिल्म को 'हां' कहा था। 11 जनवरी 2019 को रिलीज हुई फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' साल की सुपरहिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल थी, जिसने अपने बजट से तीन गुना कमाई की और राजनीतिक गलियों में भी फिल्मों को लेकर बहुत शोर हुआ। फिल्म को प्रोपेगेंडा साबित करने की कोशिश भी की गई, लेकिन फिल्म तब तक पूरे भारत में छा चुकी थी। फिल्म को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया और उनकी पहली पसंद भी विक्की कौशल थे, हालांकि आदित्य से जुड़े लोगों का कहना था कि एक सैनिक के किरदार में पतले-दुबले विक्की क्या स्क्रीन पर सही लगेंगे, लेकिन आदित्य ने ठान लिया था कि फिल्म तो विक्की के साथ ही करनी है। दूसरी तरफ, विक्की फिल्म की स्क्रिप्ट के बाद कंफ्यूजन में थे कि ऐसी फिल्म करनी चाहिए या नहीं। विक्की का मानना है कि जब तक वे किसी भी स्क्रिप्ट से जुड़ाव महसूस नहीं करते, तब तक फिल्म के लिए 'हां' नहीं कहते। उरी की स्क्रिप्ट पढ़कर भी उन्हें कुछ ऐसा ही महसूस हुआ और वे फिल्म को न करने का मन बना चुके थे, हालांकि पिता की सलाह पर उन्होंने फिल्म को करने का फैसला लिया। अभिनेता ने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि फिल्म की स्क्रिप्ट से उन्हें जुड़ाव महसूस नहीं हुआ था, लेकिन उनके पिता ने दोबारा स्क्रिप्ट को पढ़ने के लिए कहा और सलाह दी कि अगर उन्होंने यह फिल्म नहीं की तो यह उनकी सबसे बड़ी गलती होगी, तभी उन्होंने स्क्रिप्ट दोबारा पढ़ी और हां कह दी।

प्रो रेसलिंग लीग: हरियाणा थंडर्स ने पंजाब रॉयल्स को 7-2 से हराकर की शानदार शुरूआत

एजेंसी

नोएडा : हरियाणा थंडर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 में अपने पहले मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब रॉयल्स को 7झ्र2 से करारी शिकस्त दी। शुक्रवार देर रात खेले गए इस मुकाबले में हरियाणा ने शुरूआती बढ़त बनाकर अंत तक दबदबा बनाए रखा। मैच की प्लेयर ऑफ द मैच रहीं नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की कप्तान रोक्साना जासीना को 8-0 से मात देकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन और एशियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता प्रिया मलिक को 76 किग्रा महिला वर्ग में जुझारू प्रदर्शन के लिए फाइटर ऑफ द मैच चुना गया। प्रो रेसलिंग लीग 2026 का आयोजन 15

जनवरी से 1 फरवरी तक नोएडा इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है।

हरियाणा ने मुकाबले की शुरूआत शानदार अंदाज में की। 86 किग्रा वर्ग में अशिरोव अशरफ ने रोमांचक मुकाबले में टारियल गैफ्रिंडाशविली को 6झ्र5 से हराया। हालांकि, 74 किग्रा वर्ग में पंजाब के चंद्रमोहन ने पावर मिनट का फायदा उठाते हुए परविंदर को 13-6 से हराकर स्कोर 1झ्र1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला पूरी तरह हरियाणा के पक्ष में चला गया। नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में रोक्साना जासीना को एकतरफा अंदाज में 8झ्र0 से हराकर हरियाणा को बढ़त दिलाई। 62 किग्रा वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता इरीना कोलियाडेंको ने एना गोडिनेज को 15-2 से पराजित करते हुए बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद अंकुश चंद्रम ने चिराग छिकारा को 5झ्र2 से हराया, जबकि 65 किग्रा वर्ग में तुमुर ओचिर तुल्गा ने इस्लाम गुसेनोव को 15-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। 76 किग्रा महिला वर्ग का मुकाबला सबसे ज्यादा रोमांचक रहा, जहां प्रिया मलिक और काजल ढोच्छक के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला 2झ्र2 की बराबरी पर रहा, लेकिन अंतिम अंक के आधार पर काजल ने जीत दर्ज कर हरियाणा को 6झ्र1 की बढ़त दिलाई। पंजाब के लिए दिनेश धनखड़ ने हेवीवेट वर्ग में अनिरुद्ध गुलिया को 7झ्र3 से हराकर स्कोर 6झ्र2 किया। दिन के आखिरी मुकाबले में हरियाणा की युई सुसाकी और पंजाब की हंशिका लांबा आमने-सामने थीं। यह मुकाबला फॉरफिट के जरिए ओलंपिक चैंपियन और चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी के नाम रहा, जिससे हरियाणा थंडर्स ने 7-2 से शानदार जीत दर्ज की।

लीग के तीसरे दिन आज डबल हेडर होंगे, जिसमें पहला मुकाबला शाम 6:30 बजे टाइगर्स ऑफ मुंबई बनाम यूपी डोमिनेटर्स और दूसरा मुकाबला रात 8:00 बजे दिल्ली दंगल वॉरियर्स बनाम हरियाणा थंडर्स के बीच खेला जाएगा।

केंद्रीय मंत्री गडकरी आज मप्र को देंगे 4,400 करोड़ की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

भोपाल : केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी आज शनिवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर आ रहे हैं। वे यहां प्रदेशवासियों को 4,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत की आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियाजनाओं की सौगात देंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी आज शनिवार को मध्य प्रदेश के प्रवास पर विदिशा जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस अवसर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उनके साथ इन कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक केन्द्रीय मंत्री गडकरी आज दोपहर 12 बजे विमान से भोपाल एयरपोर्ट आएंगे और यहां दोपहर 12.05 बजे हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे

विदिशा के खेल स्टेडियम हेलीपैड पर आगमन के पश्चात रोड शो कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके बाद वे पुरानी कृषि उपज मंडी विदिशा में आयोजित सड़क परिजयोजनाओं के भूमिपूजन एव लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत केन्द्रीय मंत्री दोपहर 3.30 बजे विदिशा खेल स्टेडियम से हेलीकाप्टर द्वारा भोपाल एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री गडकरी विदिशा में आयोजित कार्यक्रम में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक लागत से निर्मित एवं प्रस्तावित आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियाजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। करीब 181 किलोमीटर लम्बी ये परियोजनाएं मध्य भारत एवं बुंदेलखंड क्षेत्र की सड़क कनेक्टिविटी को मजबूती प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और कुशल, प्रशिक्षित चालकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में तीन आधुनिक ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा। विदिशा और सागर जिलों में प्रस्तावित ये तीन ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं से युक्त होंगे। ये केंद्र सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। लोकार्पित होने वाली परियोजनाएँ1. रातापानी वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र, अब्दुल्लागंज-इटारसी खंड का 4-लेन चौड़ीकरण- लंबाई 12 किमी- लागत - 418 करोड़ रुपये।2 देहगांवझ्रबम्होरी मार्ग का निर्माण कार्य. लंबाईः 27 किमी, लागतः 60 करोड़ रुपये। शिलान्यास होने वाली परियोजनाएँ

1. भोपाल-विदिशा खंड का 4-लेन चौड़ीकरण. लंबाई 42 किमी, लागत- 1041 करोड़ रुपये।2. विदिशा-ग्यारसपुर खंड का 4-लेन चौड़ीकरण, लंबाई 29 किमी, लागत - 543 करोड़ रुपये।3. ग्यारसपुर-राहतगढ़ खंड का 4-लेन चौड़ीकरण, लंबाई 36 किमी, लागत- 903 करोड़ रुपये।4 राहतगढ़-बेरखेड़ी खंड का 4-लेन चौड़ीकरण, लंबाईः 10 किमी, लागतः 731 करोड़ रुपये।5. सागर वेस्टर्न बायपास (ग्रीनफील्ड) का 4-लेन निर्माण, लंबाई 20.2 किमी, लागत- 688 करोड़ रुपये।6. भोपालझ्रब्यावरा खंड पर 05 अंडरपास, लंबाई 5 किमी, लागत - 122 करोड़ रुपये।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ के 17 नेता होंगे शामिल

एजेंसी

रायपुर : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ के 17 नेता शामिल होंगे। इनमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यामंत्री अरुण साव, गृह मंत्री विजय शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू समेत कई सांसद और विधायक शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 19 जनवरी 2026 से शुरू होगी। अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को होगी। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रहेगी, क्योंकि प्रदेश को इस बार पूर्ण भागीदारी का मौका मिल रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस बार छत्तीसगढ़ में प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे होने के कारण राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्य चुने गए हैं।ये सदस्य ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन में प्रस्तावक (प्रोपोजर) और समर्थक (सपोर्टर) की भूमिका निभाएंगे। इनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडेय, विजय बघेल, रूपकुमारी चौधरी, राज्यसभा सांसद देवेंद्र राजा प्रताप सिंह, विधायक विक्रम उसेंडी, पुन्नूलाल मोहिले, प्रदेश मंत्री दयालदास बघेल, केदार कश्यप, पूर्व विधायक ननकी राम कंवर और खूबचंद पारसा शामिल हैं।

ये सभी नेता नामांकन प्रक्रिया के दिन यानी 19 जनवरी या इससे एक दिन पहले 18 जनवरी को दिल्ली पहुंच जाएंगे। वे न केवल प्रस्तावक/समर्थक के रूप में हस्ताक्षर करेंगे, बल्कि यदि चुनाव हुआ तो मतदान का अधिकार भी प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि कि पिछली बार 2020 में जेपी नड्डा के चुनाव के समय छत्तीसगढ़ में संगठन चुनाव अधूरे होने के कारण प्रदेश को भागीदारी नहीं मिली थी।

मध्य प्रदेश में ठंड का कहर जारी, मंदसौर में पारा 2.5 डिग्री पर पहुंचा, शीतलहर-कोहरे से जनजीवन प्रभावित

- पहाड़ों में बर्फबारी से प्रदेश में सर्दी हुई और तेज

एजेंसी

भोपाल : उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं के असर से मध्य प्रदेश में ठंड ने तीखा रूप ले लिया है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान गिरकर 2.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी के बाद प्रदेश में सर्दी और तेज हुई है। अगले दो से तीन दिन तक कड़ाके की ठंड बनी रहने की संभावना है। 19 जनवरी से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से प्रदेश में बादल और हल्की बारिश की स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि नया सिस्टम सक्रिय होने पर मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। शनिवार सुबह 15 से अधिक जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे की चादर छाई रही, जबकि शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, कटनी और मैहर में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है।

कई शहरों में पारे में रिकॉर्ड गिरावट

शुक्रवार की रात कई जिलों में तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे ठंडा जिला मंदसौर रहा। यहां तापमान 2.5 डिग्री दर्ज किया गया। मंदसौर के बाद कटनी के करौंदी में 2.7 डिग्री, शाजापुर में 3.3 डिग्री, शहडोल के कल्याणपुर में 3.5 डिग्री और पचमढ़ी में 3.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राजगढ़ में 4.5 डिग्री, उमरिया में 5.3 डिग्री, मंडला में 5.6 डिग्री, रीवा में 5.8 डिग्री और मलाजखंड में 6.1 डिग्री दर्ज किया गया। दतिया, रायसेन और नौगांव में पारा 6.8 डिग्री रहा, जबकि अन्य शहरों में तापमान 10 डिग्री के आसपास बना हुआ है। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री, भोपाल में 6 डिग्री, इंदौर में 6.2 डिग्री, उज्जैन में 7.5 डिग्री और जबलपुर में 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोहरे से दृश्यता घटी

राजगढ़ में घना कोहरा छाया रहा, जहां विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर तक सिमट गई। भोपाल, दतिया, ग्वालियर, सतना, रीवा और खजुराहो में दृश्यता करीब 1 किलोमीटर रही। उज्जैन, रतलाम, इंदौर, नर्मदापुरम, गुना, दमोह, मंडला, नौगांव और सागर में विजिबिलिटी 1 से 2 किलोमीटर के बीच दर्ज की गई।

मौसम में बदलाव की वजह

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम-उत्तर भारत के ऊपर करीब 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 240 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं, जिसका असर मध्यप्रदेश के मौसम पर भी पड़ रहा है। वहीं, 16 जनवरी से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ चुका है और 19 जनवरी से नया सिस्टम असर दिखा सकता है। यदि यह मजबूत रहा तो 20-21 जनवरी के बाद प्रदेश में बादल और बारिश देखने को मिल सकती है।

यातायात पर असर

शनिवार सुबह ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग के कई जिलों में मध्यम से घना कोहरा रहा। इंदौर, भोपाल, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में भी कोहरे का असर देखा गया। कम दृश्यता के कारण दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मालवा, झेलम, सचखंड एक्सप्रेस समेत पंजाब मेल और जनशताब्दी सहित करीब एक दर्जन ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

विराट कोहली एवं कुलदीप यादव ने किए महाकालेश्वर के भस्म आरती दर्शन

एजेंसी

उज्जैन : मध्य प्रदेश के उज्जैन में शनिवार प्रातः भारतीय क्रिकेट टीम के प्रसिद्ध खिलाड़ी विराट कोहली एवं कुलदीप यादव ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के प्रातःकालीन भस्म आरती में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लिया। दर्शन के बाद महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अपर कलेक्टर व प्रशासक प्रथम कौशिक एवं सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा विराट कोहली एवं कुलदीप यादव का स्वागत एवं सम्मान किया गया। ब्रह्म मुहूर्त में विराट कोहली और कुलदीप यादव महाकालेश्वर मंदिर परिसर पहुंचे थे। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। भस्म आरती के समय दोनों खिलाड़ी पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना में लीन दिखाई दिए। उन्होंने भगवान महाकाल के समक्ष नतमस्तक होकर देश, टीम और अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भस्म आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी इन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों की एक झलक पाने की कोशिश की, इस बीच मंदिर प्रशासन द्वारा शांति और अनुशासन बनाए रखा गया। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती

देश-विदेश में अपनी विशिष्ट परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि इस आरती में शामिल होने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। विराट कोहली और कुलदीप यादव ने भी इस अलौकिक और दिव्य वातावरण का अनुभव किया। आरती के पश्चात दोनों खिलाड़ियों ने गर्भगृह के बाहर बैठकर कुछ समय ध्यान किया और मंदिर की प्राचीनता व आध्यात्मिक ऊर्जा को स्वयं में अनुभव एवं लाभ लिया। दर्शन और पूजा-अर्चना के उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दोनों खिलाड़ियों का विधिवत स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक तथा सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने विराट कोहली और कुलदीप यादव को शॉल एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। मंदिर प्रशासन ने दोनों खिलाड़ियों को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी दी।

न्यूज IN ब्रीफ

छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 10 से ज्यादा जिलों में शीतलहर की चेतावनी

रायपुर : छत्तीसगढ़ मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के 10 से ज्यादा जिलों में शीतलहर चलने और कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान जताया है। प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंडा सरगुजा है, जहां तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है मौसम विभाग ने बताया कि, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, अंबिकापुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर और बेमेतरा जिले में शीतलहर चलेगी । मौसम विभाग के अनुसार, शीतलहर चलने से इन जिलों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4 .4 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज किया गया है। वहीं सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में रहा। सरगुजा, रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ इलाकों में पहले भी शीत लहर का असर देखा गया। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर छत्तीसगढ़ में भी हो रहा है. हिमालयी क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण ठंडी हवाएं आ रही हैं. यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में ठंड का प्रकोप बना हुआ है. बता दें कि सरगुजा, रायपुर और दुर्ग संभाग के कई जिलों में रात का पारा सामान्य से 3-6 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है

बिहार के मधेपुरा में सड़क दुर्घटना, कार सवार 4 युवकों की मौत

मधेपुरा : बिहार के मधेपुरा जिले से शनिवार सुबह मधेपुरा-वीरपुर नेशनल हाईवे (एन एच 106) पर एक तेज रफ्तार हाइवा और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजली कार्यालय (पावर ग्रिड) और बीएन मंडल यूनिवर्सिटी के समीप घटित हुआ। जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के कोहरे और अंधेरे के दौरान विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ने कार को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और हाइवा के नीचे जा घुसा। कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहल गए।

शिमला में दो जगह चिट्टा बरामद, सात गिरफ्तार

शिमला : शिमला जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार शाम दो अलग-अलग मामलों में चिट्टा (हेरोइन) बरामद कर कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों ही मामलों में पुलिस को गश्त और नाकाबंदी के दौरान यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार पकड़े गए सभी आरोपी शिमला जिला के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं और उनसे बरामद चिट्टा की मात्रा कम होने के बावजूद मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। पहला मामला पुलिस थाना कुमारसैन क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार थाने के एएसआई किशोरी लाल टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान बटनाल नाला लिंक रोड, नारकंडाझ्रठाणेदार मार्ग पर दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। तलाशी के दौरान सचिन श्याम निवासी गांव बनोगा, तहसील ननखड़ी (उम्र 34 वर्ष) और आरुष मेहता निवासी गांव नून, तहसील कुमारसैन (उम्र 24 वर्ष) के कब्जे से कुल 2.30 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की गई। दोनों आरोपियों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। दूसरा मामला भी पुलिस थाना कुमारसैन के अंतर्गत आता है, जिसमें पुलिस चौकी सैंज की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार हेड कांस्टेबल राकेश रोशन सैंज बाजार के पास चलुडू नाला क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस दौरान पांच लोगों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 4.70 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुश्ताक अली (25 वर्ष), मशूम अली (23 वर्ष) दोनों निवासी गांव भद्राश, तहसील रामपुर, रविंद्र कुमार निवासी गांव बहली, तहसील कुमारसैन (37 वर्ष), रविंद्र कुमार-2 निवासी दतनगर, तहसील रामपुर (44 वर्ष) और किशन कुमार निवासी गांव बहली, तहसील कुमारसैन (31 वर्ष) शामिल हैं। एसएसपी शिमला संजीव गांधी ने शनिवार को बताया कि दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत केस दर्ज किया गया है। इनमें नशे की तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चिट्टा कहां से लाया गया और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, महिला की शिकायत पर एफआईआर

शिमला : सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर एक महिला और उसके परिवार की छवि खराब करने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि फेसबुक पर डाले गए कुछ पोस्टों के कारण उसे और उसके परिजनों को मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ा और समाज में उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। ये मामला शिमला से सटे सुन्नी थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां महिला ने सोशल मीडिया यूजर्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि 13 जनवरी को उन्होंने अपने पति के मोबाइल फोन में कुछ स्क्रीनशॉट देखे। ये स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर बनाई गई एक आईडी से किए गए पोस्टों के थे। इनमें उनके और उनके परिवार के बारे में आपत्तिजनक, अश्लील और गाली-गलौज से भरी भाषा का प्रयोग किया गया था। शिकायत में कहा गया है कि इन फेसबुक पोस्टों में न केवल उनके के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया बल्कि उनके पति और सास-ससुर को भी निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि यह सब जानबूझकर उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने और बदनाम करने की नीयत से किया गया। इन पोस्टों के कारण पूरे परिवार को मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और उनकी आत्मसम्मान को गहरी ठेस लगी। महिला की शिकायत पर पुलिस थाना सुन्नी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुड़े इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि संबंधित फेसबुक आईडी का संचालन कौन कर रहा था और पोस्ट किस उद्देश्य से डाले गए।

मौनी अमावस्या 18 जनवरी को, मौन, स्नान और दान से मिलता है पितृ कृपा का आशीर्वाद

भोपाल : माघ मास की अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या के रूप में सनातनी मानते आए इस दिन श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करते हैं तथा मौन व्रत का पालन कर आत्म-चिंतन और साधना में लीन रहते हैं। पंचांग के अनुसार इस वर्ष मौनी अमावस्या रविवार 18 जनवरी को मनाई जाएगी। इस संबंध में ज्योतिषाचार्य भरत चंद्र दुबे ने शनिवार को बताया कि मौनी अमावस्या पर मौन रहना सबसे बड़ा तप माना गया है। मौन से मन शांत होता है, विचारों में संयम आता है और आत्मा की शुद्धि होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौन साधना से वाणी की शुद्धि होती है, पापों का नाश होता है और साधक को आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। यह व्रत मानसिक शांति, उत्तम स्वास्थ्य और ज्ञानवृद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करता है।

मप्र: राहुल गांधी आज इंदौर आएंगे, भागीरथपुरा में दूषित जल कांड से पीड़ित परिवारों से मिलेंगे

एजेंसी

भोपाल/इंदौर : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर इंदौर आएंगे। वे यहां भागीरथपुरा इलाके में दूषित जलकांड से प्रभावित लोगों और मृतकों के स्वजनों से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी को पीड़ित परिवारों से मिलवाने के लिए कांग्रेस ने प्रशासन को चार

घरों की सूची सौंपी है। भागीरथपुरा की संकरी गलियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। इलाके में संकरी गलियों के कारण काफिला घर तक नहीं जा सकेगा, इसलिए गली के कोने से पैदल चलकर पीड़ित परिवार तक पहुंचेंगे। राहुल गांधी के इंदौर दौरे से पहले शुक्रवार रात में सुरक्षा एजेंसियों ने उनके दौरे के रूट को देखा। सुरक्षा एजेंसियों ने 5 माह के मृतक अव्यान साहू, गीता बाई और अशोक पंवार के घर के रूट का जायजा लिया है। राहुल गांधी प्रभावित परिवारों से संस्कार गार्डन में मुलाकात भी करेंगे। कांग्रेस की ओर से सभी मृतकों के परिवार को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा भी की जाएगी। मुलाकात का समय दोपहर 12.45 से दोपहर 1.45 तक रहेगा। इसके बाद यही राहुल मीडिया से बात करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कई बड़े नेता साथ में होंगे।

महाकाल महोत्सव में आज संगीत और भक्ति का होगा संगम, पार्श्व गायक विपिन अनेजा देंगे प्रस्तुति

एजेंसी

उज्जैन : भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में आयोजित पांच दिवसीय महाकाल महोत्सव के चौथे दिन आज शनिवार को महाकाल लोक में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संगीत और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजक संस्था वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 7 बजे होगा। कार्यक्रम में मुख्य प्रस्तुति सुगम संगीत की रहेगी, जिसमें श्रेयश शुक्ला एवं बैंड (इंदौर) तथा विपिन अनेजा एवं बैंड (मुंबई) द्वारा मधुर और भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि वीर भारत न्यास एवं महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति

के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित महाकाल महोत्सव में आज लोक-संस्कृति के रंगों से सजी इस संध्या में जनजातीय एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी, जिनमें कोरकू जनजातीय गुदली नृत्य मंशाराम एवं साथी (हरदा), गणगौर नृत्य अनुजा जोशी एवं साथी (खंडवा), डिमरिया नृत्य लीलाधर रैकवार एवं साथी (सागर), राठवा जनजातीय राठ नृत्य विजय भाई राठवा एवं साथी (बड़ौदा) शामिल है। इसके साथ ही कला यात्रा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें मलखंब दल- योगेश मालवीय एवं साथी (उज्जैन) अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कला यात्रा का मार्ग बुधवारिया- नई सड़कझ्रसती गेटझ्रगोपाल मंदिरझ्रमहाकाल लोक रहेगा। विपिन अनेजाः वह आवाज, जो मंच पर रचती है संगीत का जादू अपनी सुरीली, भावपूर्ण और बहुआयामी आवाज से देशझ्रविदेश में लाखों श्रोताओं के दिलों पर राज करने वाले बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध प्लेबैक सिंगर विपिन अनेजा आज भारतीय संगीत जगत के सबसे प्रतिष्ठित नामों में शुमार हैं। फिल्म जज्बा के सुपरहिट गीत ह्लजाने तेरे शहर काह्व से व्यापक पहचान बनाने वाले विपिन अनेजा ने अपने गायन से एक अलग ही मुकाम हासिल किया है। विपिन अनेजा की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने हाल ही में देश के सबसे भव्य आयोजनों में से एक अनंत और राधिका अंबानी की शादी में भी अपनी शानदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसके साथ ही उन्होंने यो यो हनी सिंह के साथ एल्बम ह्ल51 ग्लोरियस डेजह्व के लिए नया जोशीला ट्रैक ह्लनेवर क्राइडह्व रिलीज किया है, जिसमें उनकी सिग्नेचर वर्सटिलिटी और आधुनिक ऊर्जा का प्रभावशाली संगम देखने को मिलता है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी विपिन अनेजा की आवाज का जादू बरकरार है। राम कपूर अभिनीत सुपरहिट सीरीज ह्लमिस्ट्रीह्व के लिए गाया गया गीत ह्लकुछ इस पारह्व दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय रहा और उन्हें भरपूर सराहना मिली। उनकी उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है, जब उन्हें ग्लोबल फि ल्म एंड म्यूज़िक फेस्टिवल, अमेरिका में बेस्ट सिंगर एंड लाइव परफॉर्मर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विपिन अनेजा ने जी सा रे गा मा पा के पाँच सीजनों तक ग्रैंड जूरी सदस्य के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 100 मिलियन से अधिक स्ट्रीम्स का आंकड़ा पार कर चुके विपिन अनेजा ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। दुनिया भर में 1,000 से अधिक लाइव परफॉर्मेंस कर चुके विपिन अनेजा आज भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट जगत के सबसे पसंदीदा कलाकारों में गिने जाते हैं। हर मंच पर अपनी आवाज और प्रस्तुति से अविस्मरणीय संगीत अनुभव देने वाले विपिन अनेजा भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को नए आयाम दे रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

एसकेएमयू ने किया बी.एड. सेमेस्टर-3 परीक्षा कार्यक्रम जारी

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू), दुमका द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-26 के अंतर्गत बी.एड. सेमेस्टर-3 परीक्षा 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार बी.एड. सेमेस्टर-3 की परीक्षाएँ 28 जनवरी 2026 (बुधवार) से 31 जनवरी 2026 (शनिवार) तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाएँ दो पालियों में संपन्न होंगी। प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 02:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार28 जनवरी 2026 (बुधवार) को प्रथम पाली में भाषा विषय (अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, संस्कृत, बांग्ला, संथाली) एवं भौतिक विज्ञान शिक्षाशास्त्र तथा द्वितीय पाली में जैविक विज्ञान शिक्षाशास्त्र एवं नागरिक शास्त्र शिक्षण की परीक्षा होगी। 29 जनवरी 2026 (गुरुवार) को प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान शिक्षाशास्त्र एवं द्वितीय पाली में वाणिज्य शिक्षण की परीक्षा आयोजित की जाएगी।30 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को प्रथम पाली में गणित शिक्षण तथा द्वितीय पाली में भूगोल शिक्षण की परीक्षा होगी। वहीं 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को प्रथम पाली में अर्थशास्त्र शिक्षण और द्वितीय पाली में इतिहास शिक्षण की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र एवं वैध पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। बिना प्रवेश पत्र के किसी भी छात्र-छात्रा को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उक्त परीक्षा कार्यक्रम को विवि वेबसाइट से डाऊनलोड किया जा सकता है।

दो दिवसीय कृषक गोष्ठी संपन्न

बासुकीनाथ : शुक्रवार को जरमुण्डी प्रखण्ड के गाँव बाद रामपुर पंचायत- राजासिमरिया में एन एफ एस एन एम-प्लसेस वर्ष 2025-26 योजनान्तर्गत कृषकों का प्रशिक्षण वार्ड सदस्य राजासिमरिया मकलु मुर्मू की अध्यक्षता में दो दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। शुक्रवार को प्रशिक्षण का अंतिम दिन पौधा संरक्षण पर्यवेक्षक दुमका, पौधा संरक्षण क्षेत्र परिचालक भोलानाथ मंडल के द्वारा रबी मुख्यत दलहनी फसलों की निकाई गुड़ाई खरपतवार नियंत्रण फसलों की रोग प्रतिरोग क्षमता बढ़वाने हेतु बीजोपचार के बारे में विस्तार पूवक बताई गई। उन्होंने किसानों को फसलों में लगने वाले कीट से बचाव दवाओं का उचित मात्रा में छिड़काव के बारे में बताई गई। प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक मिथिलेश कुमार के द्वारा क्छट/क्छट आत्मा एवं कृषिविभाग से संबंधित योजनाओ के बारे में किसानों को बताई गई। सहायक तकनीकी प्रबंधक जरमुण्डी के द्वारा डी सी एस, के सी सी एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड आदि के बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक बताई गई।

बाबा बंदा सिंह बहादुर गतका अखाड़ा की 12 सदस्यीय टीम पहली बार त्रिपुरा रवाना

जमशेदपुर : प्रतिष्ठित बाबा बंदा सिंह बहादुर गतका अखाड़ा त्रिपुरा की धरती पर पहली बार अपने हैरतअंगेज गतका प्रदर्शन से दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। सिखों के दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह के 359वे प्रकाशपर्व को समर्पित समागम में जमशेदपुर की इस गतका टीम को विशेषरूप से आमंत्रित किया गया है। 12 सदस्यीय टीम त्रिपुरा के लिए हवाईमार्ग से शुक्रवार को रवाना हो गयी है। गुरुद्वारा सिंह सभा मानगो के महासचिव और बाबा बंदा सिंह बहादुर गतका अखाड़ा के प्रमुख सरदार जसवंत सिंह जस्सू ने बताया कि त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला स्थित गांधीघाट गुरुद्वारा साहिब में जहां वे दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित भव्य गतका प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे, यह न केवल अखाड़े के लिए बल्कि पूरे जमशेदपुर शहर के लिए गर्व की बात है।जस्सू ने बताया की शनिवार और रविवार को बाबा बंदा सिंह बहादुर गतका अखाड़ा का गतका प्रदर्शन रखा गया है। जिसमें 12 सदस्यीय गतका टीम में शामिल जसवंत सिंह जस्सू, हरप्रीत सिंह, गगनदीप सिंह, मनप्रीत सिंह, तरणप्रीत कौर, सिमरप्रीत कौर, मनप्रीत सिंह (बारीडीह), मनिंदर सिंह, लवप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह (न्यू बारीडीह), जगदीप सिंह और गुरविंदर सिंह अपनी गतका कला का प्रदर्शन करेंगे।

चाकुलियाः रूपुषकुंडी के सन्यासी पीठ में बांग्ला यात्रा का मंचन

चाकुलिया : चाकुलिया प्रखंड की सरडीहा पंचायत के रूपुषकुंडी गांव में देव नदी के किनारे स्थित सन्यासी पीठ में तीन दिवसीय सन्यासी पूजा के दूसरे दिन विगत शुक्रवार की देर शाम को बांग्ला यात्रा का मंचन हुआ। पश्चिम बंगाल के युग शंख ओपेरा द्वारा मंचित भांगा घरेर भाग्य लक्ष्मी नामक बांग्ला यात्रा देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ी। हजारों पुरुष और महिला दर्शकों ने बांग्ला यात्रा का आनंद उठाया। शनिवार को भी संन्यासी पीठ में विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

कानून-व्यवस्था के खिलाफ भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन

जमशेदपुर : शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध और अपहरण जैसी घटनाओं के विरोध में भाजपा ने सड़कों पर उतरने की तैयारी शुरू कर दी है। जमशेदपुर महानगर के हजारों भाजपा कार्यकर्ता वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष आक्रोश-प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि अपराधियों के मन से पुलिस का भय समाप्त हो चुका है। हालात 90 के दशक के जंगलराज की याद दिला रहे हैं। शहर के व्यापारी, महिलाएं और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हेमंत सरकार सुरक्षा देने में विफल है। भाजपा कार्यकर्ता सुबह 11 बजे साकची स्थित जिला कार्यालय से पैदल मार्च कर एसएसपी कार्यालय पहुंचेंगे और शहर में शांति व कानून-व्यवस्था बहाल करने की मांग करेंगे।

एथनॉल कंपनी में कार्यरत ठेका मजदूर की मौत, जाँच में जुटी पुलिस

जादूगोड़ा : जादूगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित क्रिजल्क स्टार्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत यूपी निवासी ठेका मजदूर तीस वर्षीय सुनील कुमार की मौत हो गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगो ने बताया की शुक्रवार देर शाम को कंपनी के समीप कैनल में सुनील कुमार को घायल अवस्था में पाया गया था जिसके बाद उसे यूसील जादूगोड़ा अस्पताल लाया गया जहाँ उपस्थित चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

उपायुक्त ने की कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक

धान अधिप्राप्ति की स्थिति पर विशेष ध्यान देने का निर्देश

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शुक्रवार को कार्यालय कक्ष में कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा पूर्व बैठकों में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कृषि एवं सहकारिता विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने धान अधिप्राप्ति की स्थिति पर विशेष ध्यान देने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी लैंप्स में धान अधिप्राप्ति का कार्य सुचारू रूप से संचालित होना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सभी कृषक मित्रों को संबंधित लैंप्स की पूरी जानकारी हो, ताकि किसानों को धान अधिप्राप्ति की सही जानकारी मिल सके और वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकें।

इसी क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले के कई तालाबों में प्रॉन मछली का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक लाभ हो रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को मत्स्य पालन से जोड़ने, आवश्यकता पड़ने पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी तालाबों में मछली उत्पादन हो।

साथ ही केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य पालन को और बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने जिला उद्यान पदाधिकारी से अदरक की खेती, ओल की खेती, गृह वाटिका, मशरूम किट सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत उपायुक्त श्री सिन्हा ने जिला पशुपालन पदाधिकारी से जोड़ा बैल वितरण सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिया कि सभी योग्य लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित रूप से मिले।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संचालित योजनाओं का लाभ किसानों एवं ग्रामीण लाभुकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीएचडी नामांकन के लिए साक्षात्कार शुरू

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में पीएचडी नामांकन हेतु चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) एवं साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया शुक्रवार से प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया 16 जनवरी से 20 जनवरी तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी।

प्रथम दिन अंग्रेजी, इतिहास, गणित एवं संस्कृत विषयों के अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम निर्धारित था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अंग्रेजी, इतिहास एवं गणित विषयों में साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। जबकि संस्कृत विषय में केवल दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई, अपरिहार्य कारणों से साक्षात्कार आयोजित नहीं हो सका। संस्कृत विषय का साक्षात्कार तिथि अब बाद में जारी किया जाएगा।

प्रथम दिन गणित विषय में दस्तावेज सत्यापन हेतु मात्र 2 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि अंग्रेजी में 27, इतिहास में 29 तथा संस्कृत में 8 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीम के माध्यम से प्रशासनिक भवन-1में संपन्न कराई गई, जबकि

साक्षात्कार संबंधित स्नातकोत्तर विभागों में आयोजित किए गए।

आज शनिवार को अंग्रेजी विषय के शेष अभ्यर्थियों के साथ-साथ हिंदी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र (इकोनॉमिक्स) विषयों के अभ्यर्थियों के साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।

शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने स्वयं अकादमिक भवन पहुँचकर साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने डीआरसी सदस्यों को पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से साक्षात्कार संपन्न कराने के निर्देश दिए तथा सभी डीआरसी सदस्यों को शारीरिक रूप से उपस्थित रहने का भी निर्देश दिया। साथ ही, साक्षात्कार एवं दस्तावेज सत्यापन में शामिल अभ्यर्थियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।

परीक्षा के ओएसडी डॉ. इंद्रनील मंडल ने बताया कि पीएचडी नामांकन प्रक्रिया को लेकर विभागीय स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह सजग है।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी नामांकन हेतु योग्य पाए गए अभ्यर्थियों की सूची पूर्व में ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी गई है। इस वर्ष कुल 421 अभ्यर्थियों को पीएचडी नामांकन के लिए योग्य घोषित किया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी योग्य अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने-अपने विषय के अनुसार उपस्थित हों तथा सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उनकी स्वप्रमाणित छायाप्रतियां अनिवार्य रूप से साथ लाएं। आवश्यक दस्तावेजों में शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, जाति प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), आरक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र एवं अन्य निर्धारित अभिलेख शामिल हैं।

नगर निकाय चुनाव 2026

कृष्णदेव साह के कार्यकाल शहर के विकास को मिली थी गति

संवाददाता

नगर परिषद चक्रधरपुर का गठन 1918 में हुआ और इस प्राचीन नगर परिषद का इतिहास काफी बेहतर और उपलब्धि भरा रहा है चक्रधरपुर नगर परिषद अपने बेहतर कार्य और उत्कृष्ट सेवा से शहर वासियों के लिए गौरव और विश्वास का प्रतीक बन चुका है वर्तमान समय में नगर निकाय चुनाव के कारण ठंड के बीच भी चुनावी सरगर्मी में बढ़ गई है चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव इससे पूर्व अनारक्षित रहा था जिसके फल स्वरुप इस पद पर कृष्णदेव साह उर्फ भाई जी जिन्हें फेकू साह के नाम से भी पहचाना जाता है और वे इस नाम से भी काफी लोकप्रिय और प्रख्यात हैं उन्होंने अध्यक्ष पद पर अपने प्रतिद्वंदियों को पराजित कर चुनाव जीतने में सफल रहे थे और उनके अध्यक्ष बनने के पश्चात से चक्रधरपुर के सभी वार्डो का व्यापक रूप से निरीक्षण और आवश्यकता के अनुरूप सड़क नाली निर्माण के साथ-साथ पूरे शहर में विकास कार्यों को भरपूर गति दी यही नहीं लोगों के सुझाव और उनके समस्याओं का निष्पादन करने की इनमें जो अद्भुत दक्षता और

क्षमतादेखी गई उसी का यह परिणाम है कि वह अध्यक्ष पद पर रहते हुए चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र का व्यापक रूप से विकास करने में सफल रहे उनका स्पष्ट मानना था कि नगर परिषद क्षेत्र के लोगों ने जिस विश्वास के साथ उन्हें अपना अध्यक्ष चुना था उसके लिए उन्हें पर्याप्त रूप से कार्य कर उनके विश्वास पर खरा उतरना ही उनका परम दायित्व था और है नगर परिषद के द्वारा समय-समय पर स्वच्छता अभियान और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम में उनकी सहभागिता भी काफी सराहनीय रही उनके कार्यकाल में पूरे नगर परिषद क्षेत्र का व्यापक रूप से विकास कार्य संपादित होना उनके बेहतर कार्य प्रणाली का प्रत्यक्ष उदाहरण है और उनके अध्यक्ष पद पर रहते हुए समुचित प्रकाश की व्यवस्था और जन समस्याओं का निराकरण उनकी उपलब्धि में शामिल है इसी के फल स्वरुप यह कहा जा सकता है कि उनके अध्यक्ष पद पर रहते हुए चक्रधरपुर नगर परिषद का व्यापक रूप से विकास हुआ वर्तमान समय में यह पद आरक्षित हो जाने के फल स्वरुप श्रीसाह अब उपाध्यक्ष पद को अपना लक्ष्य निर्धारित करने के क्रम में सर्वप्रथम वार्ड पार्षद चुनाव जीतने के लिए अभी से ही व्यापक रूप से रणनीति और जनसंपर्क प्रारंभ कर दिया है और चुनावी मैदान में उतर चुके हैं।

धनबाद में शराब पार्टी के बाद युवक पर फायरिंग

संवाददाता

धनबाद : शहर के सदर थाना क्षेत्र का झाड़ूडीह में फायरिंग की घटना हुई है। कोल किंग सुरेश सिंह हत्याकांड के चश्मदीद गवाह देवेंद्र सिंह पर फायरिंग करने का आरोप लगा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने देवेंद्र सिंह के फ्लैट से दो दर्जन से भी अधिक जिंदा गोलियां बरामद की हैं।

इस संबंध में भुक्तभोगी राजेश झा ने बताया कि झाड़ूडीह स्थित अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर देवेंद्र सिंह का फ्लैट है। उन्होंने बताया कि गुरुवार की रात अपार्टमेंट के नीचे अपने दोस्तों के साथ देवेंद्र सिंह ने शराब पार्टी की थी। राजेश झा का आरोप है कि शराब पीने के बाद देवेंद्र सिंह जमकर उत्पात मचा रहा था और तोड़फोड़ कर रहा था।

जब उन्होंने आवाज सुनी और फ्लैट से नीचे उतरे तो उन्होंने देखा कि देवेंद्र सिंह उनके ड्राइवर को बंदूक की बट से पीट रहा था।जब उन्होंने देवेंद्र सिंह को ऐसा करने से मना किया तो देवेंद्र ने उनके ऊपर बंदूक तान कर गोली चला दी। गोली उनके बाएं आंख के बगल से निकल गई, इस घटना के कारण राजेश के बाएं आंख के बगल में जख्म हो गया है। वहीं घटना के बाद देवेंद्र सिंह फरार हो गया।

वहीं राजेश झा की पत्नी कंचन झा ने बताया कि देवेंद्र सिंह अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर रहता है। कंचन का आरोप है कि देवेंद्र सिंह अक्सर शराब पीकर अपार्टमेंट में उपद्रव मचाता है। गुरुवार की रात भी उसने दोस्तों के साथ जमकर शराब पी थी और हंगामा मचा रहा था। कंचन ने कहा कि जब पति उसे रोकने गए तो देवेंद्र सिंह ने रिवाल्वर निकाल कर उनकी कनपट्टी पर तान दी और फायरिंग कर दी। जिसमें पति बाल-बाल बच गए।इधर,सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से कई खोखा बरामद किया है। साथ ही देवेंद्र सिंह के फ्लैट से दो दर्जन से अधिक जिंदा गोलियां जब्त की गई है। वहीं अपार्टमेंट के नीचे लग्जरी कारों के शीशे टूटे पाए गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तैलिक साहू महासभा का वार्षिक मिलन समारोह 18 को

जमशेदपुर : अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की एक बैठक साकची स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष राकेश साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समाज के आगामी कार्यक्रमों तथा 18 जनवरी 2026, रविवार को आयोजित होने वाले वार्षिक मिलन सह महासम्मेलन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में राकेश साहू ने कहा कि 18 जनवरी रविवार को सिदगोड़ा स्थित सोन मंडप (सूर्यमंदिर के बगल में) प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा का भव्य वार्षिक मिलन सह पारिवारिक पिकनिक समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में समाज, शिक्षा, चिकित्सा और एकजुटता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस भव्य आयोजन में समाज के महत्वपूर्ण अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ेगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के लिए दौड़ प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए चेयर गेम, रन आउट सहित विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए अलग-अलग प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही संचालन, स्वागत भाषण, दीप प्रज्वलन, अतिथियों के आगमन, मंच व्यवस्था एवं रजिस्ट्रेशन काउंटर तथा कूपन वितरण के लिए भी अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया। बैठक में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां बांटी गईं ताकि आयोजन अनुशासित, व्यवस्थित और यादगार बन सके। जिला अध्यक्ष राकेश साहू ने समाज के सभी सम्मानित सदस्यों से अपील की कि वे परिवार सहित समय पर पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाएं और समाज की एकता व शक्ति का परिचय दें। अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा का यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, जागरूकता और भविष्य निर्माण का मजबूत संकल्प है।

कोडरमा के गझंडी जंगल में चोरी छुपे हो रही थी अफीम की खेती, पुलिस ने किया नष्ट

संवाददाता

कोडरमा : पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में कोडरमा पुलिस अफीम ने अफीम को नष्ट किया है। मामले की जानकारी देते हुए कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर, जिला प्रशासन पहले से ही मुस्तैद है। मादक पदार्थों की खरीद बिक्री एवं अफीम की खेती के कारोबार के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस देख भागा दूसरा पार्टनर

छापेमारी अभियान में कोडरमा उपायुक्त द्वारा कोडरमा अंचल अधिकारी को मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया। विशेष टीम द्वारा तिलैया थाना क्षेत्र के अंबाकोला गांव के इर्द गिर्द एक तालाब के किनारे छापेमारी की गई, यहां तालाब के पास खड़े दो-तीन लोगों को देखा गया और जैसे ही पुलिस उनके पास जाने लगी तभी वहां मौजूद व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा, जिसके बाद पुलिस ने पीछा कर एक शख्स को पकड़ लिया और जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना नाम बुधलाल सिंह बताया। पकड़े गए आरोपी ने भाग चुके दूसरे शख्स के बारे में बताया कि वह उसका सहयोगी शंकर सिंह है, जिसके साथ मिलकर वह अफीम की खेती कर रहा था।

तीन एकड़ भूमि पर की जा रही थी अफीम की खेती : इधर पुलिस ने गिरफ्तार बुधलाल सिंह के पास से बरामद मोबाइल की छानबीन की तो उसके मोबाइल में तालाब किनारे पोस्ता की खेती का फसल का फोटो पाया गया। उसके बाद उसकी निशानदेही पर सहयोगियों द्वारा अवैध रूप से की जा रही खेती पर बारी-बारी से छापेमारी की गई। इसी क्रम में पाया गया कि उनके द्वारा उक्त स्थान के करीब तीन एकड़ भूमि पर अफीम की खेती की जा रही थी। उसके बाद बुधलाल सिंह को तिलैया थाना लाया गया, साथ ही उक्त खेतों से नमूने के तौर पर अफीम के कुछ पौधों को पुलिस द्वारा जब्त कर थाने लाया गया है।

कार्रवाई के लिए एसपी ने टीम का गठन किया : इससे पहले एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत गझंडी इलाके के चनाको जंगल में एक ग्रामीण द्वारा अवैध रूप से अफीम की खेती कर रहा है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए एसपी द्वारा एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार को भी शामिल किया गया।